आज का विचार

असंभव वह नहीं जो हम कर नहीं पाते। असंभव वह है जो हम करना नहीं चाहते हैं।

# दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

5


सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शुक्रवार, 6 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 31, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com


# मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जेल वार्डरो के लिए खोला घोषणाओं का पिटारा

## अब जेल वार्डर को 18 वर्ष की सेवा अवधि में हेड वार्डर के पद पर मिलेगी पदोन्नति: नायब सिंह सैनी

- वार्डर व हेड वार्डर को भी पुलिस कांस्टेबल के समान मिलेगा भत्ता
- राशन भत्ते को आगामी वित्त वर्ष से बढ़ाकर 1500 रुपये किया
- कन्वेयन्स भत्ता 50 रुपये से बढ़ाकर 720 रुपये किया
- वर्दी भत्ते को बढ़ाकर 7500 रुपये किया

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जेल वार्डरो के लिए खुले दिल से घोषणाओं का पिटारा खोला और जेल वार्डर की पदोन्नति, सेवा विस्तार और भत्तों में विसंगतियों को दूर किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अब जेल वार्डर को 18 वर्ष की सेवा अवधि में हेड वार्डर के पद पर पदोन्नति मिलेगी, सुधारात्मक सेवा पदक विजेता वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को एक वर्ष के सेवा-विस्तार का लाभ मिलेगा, जेल वार्डर व हेड वार्डर को भी पुलिस कांस्टेबल के समान भत्ता मिलेगा, राशन भत्ते में भी आगामी वित्त वर्ष से अढ़ाई गुणा की बढ़ोतरी करते हुए 1500 रुपये किया गया, कन्वेयन्स भत्ता को 50 रुपये से बढ़ाकर 720 रुपये किया गया तथा वर्दी भत्ते को बढ़ाकर 7500 रुपये किया। इन घोषणाओं से जेल विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल और कार्यक्षमता बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीरवार को जेल प्रशिक्षण अकादमी, करनाल में दीक्षांत परेड समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि आज करनाल की यह पावन धरती देशसेवा, कर्तव्य निष्ठा और राष्ट्रभक्ति के अद्भुत दृश्य की साक्षी बन रही है। यह क्षण उन माता-पिताओं के लिए भी गर्व का है, जिनकी आंखों में आज अपने बच्चों को वर्दी में देखकर संतोष और आत्मविश्वास झलक रहा है। उन्होंने कहा कि इस नव-निर्मित जेल प्रशिक्षण अकादमी में प्रशिक्षुओं की पहली दीक्षांत परेड का हिस्सा बनकर मुझे खुशी का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह अवसर अनुशासन, सेवा, समर्पण और कर्तव्य बोध की आपकी उस यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसे आप सभी नव-प्रशिक्षित कर्मियों ने कठोर परिश्रम, संयम और आत्मनिष्ठा के साथ पूर्ण किया है। यह दिन आपके जीवन का स्मरणीय अध्याय है, जो आपको व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ समाज और राज्य के प्रति एक महान दायित्व से भी जोड़ता है। इस बैच के सभी 116 सहायक अधीक्षक व वार्डरों को हार्दिक बधाई देता हूं। गर्व की बात है कि इस बैच में एक महिला सहायक अधीक्षक व 8 महिला वार्डर भी शामिल हैं। यह महिलाओं की सहभागिता एवं सशक्तिकरण की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

उन्होंने कहा कि दीक्षांत परेड किसी भी वर्दीधारी सेवा में केवल प्रशिक्षण की समाप्ति का प्रतीक नहीं होती, बल्कि यह उस मानसिक, शारीरिक और नैतिक रूपांतरण की घोषणा होती है, जिसके बाद एक प्रशिक्षु पूर्ण रूप से जिम्मेदार अधिकारी के रूप में समाज की सेवा हेतु तैयार होता है। उन्होंने कहा कि कारागार व्यवस्था किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण स्तंभ होती है। जेल केवल दंड देने का स्थान नहीं, बल्कि सुधार, पुनर्वास और मानवीय परिवर्तन की प्रयोगशाला होती है। हरियाणा सरकार इस विचारधारा में पूर्ण विश्वास रखती है कि अपराधी को दंड के साथ-साथ सुधार का अवसर देना समाज के दीर्घकालिक हित में है। इसी सोच के साथ हमारी सरकार जेल सुधारों, बंदी कल्याण और आधुनिक कारागार प्रबंधन को निरंतर सशक्त बना रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि जेल वार्डर को जेल प्रशिक्षण अकादमी, करनाल द्वारा आधुनिक प्रशिक्षण पद्धतियों, मानवाधिकारों, मनोवैज्ञानिक समझ, कानून की बारीकियों, शारीरिक दक्षता और नैतिक मूल्यों से सुसज्जित किया गया है। यह प्रशिक्षण आपको केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, विवेकशील और उत्तरदायी अधिकारी बनने की दिशा में अग्रसर करता है। वर्दी आपके अधिकार का नहीं, बल्कि आपकी जिम्मेदारी का प्रतीक है। आज के समय में कारागार कर्मियों की भूमिका पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। बदलते सामाजिक परिवेश, तकनीकी विकास और अपराध के नए स्वरूपों के बीच आपको न केवल सजग रहना है, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण को भी बनाए रखना है।

# भारत प्रतिस्पर्धा को तैयार, दुनिया के देश व्यापारिक संबंध बनाने को आतुर : मोदी

## प्रधानमंत्री संसद में बोले- वैश्विक दक्षिण चर्चा का सूत्रधार है भारत

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि भारत आज विश्व के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है और दुनिया के देश भारत के साथ व्यापारिक संबंध बनाने को आतुर हैं। भारत-यूरोपीय संघ के बीच हुए समझौते ने दुनिया को भरोसा दिया है और अमेरिका के साथ हुए व्यापारिक समझौते ने इसे गति का एहसास कराया है। वर्तमान में दुनिया में वैश्विक दक्षिण (विकासशील देश) चर्चा का विषय बने हुए हैं। इसका सूत्रधार भारत है और वैश्विक मंचों पर उनकी आवाज बुलंद कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का उत्तर दिया। इस दौरान उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में विपक्ष पर निशाना साधा और अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने राहुल गांधी के राजनीतिक नारे मोहब्बत की दुकान को जुमला बताया और कहा कि ऐसा कहने वालों के अंदर असल में नफरत भरी है। विपक्ष उनकी सरकार की उपलब्धियां के चलते मोदी

तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, लोग मुझे पूछते हैं कि मेरी सेहत का राज क्या है और मैं कहता हूं कि मैं रोज दो किलो गाली खाता हूं।

प्रधानमंत्री ने इस दौरान कांग्रेस नेतृत्व पर तंज कसा और कहा कि चोरी इनका पुश्तैनी पेशा रहा है और उन्होंने एक गुजराती (महात्मा गांधी) का सरनेम चुरा लिया। प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी के भाजपा नेता नवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहे जाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि सदन के एक सदस्य को सिख होने के कारण ऐसा कहा गया। उन्होंने कांग्रेस पर भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान करने का भी आरोप लगाया। प्रधानमंत्री ने कल लोकसभा में पेपर उछाले जाने की घटना का भी उल्लेख किया और कहा कि विपक्ष ने इस दौरान चेयर पर मौजूद पूर्वोत्तर के एक साथी और आंध्र प्रदेश के एक दलित सदस्य का अपमान किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के कितने ही टुकड़े हुए हैं, कितने लोग पार्टी छोड़कर गए हैं, लेकिन किसी और को उन्होंने (राहुल गांधी) गद्दार नहीं कहा। उन्होंने उस सदस्य (बिट्टू) को गद्दार इसलिए कहा, क्योंकि वे एक सिख हैं। यह सिखों का अपमान था, गुरुओं का अपमान था। कांग्रेस में सिखों के प्रति जो कूट-कूटकर नफरत भरी हुई है।

राज्यसभा में प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान पहले विपक्ष ने शोर-शराबा किया और कुछ समय बाद सदन से बाहिर्गमन किया। बाकी समय प्रधानमंत्री ने विपक्ष की अनुपस्थिति में चर्चा का जवाब दिया। नारेबाजी के दौरान प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के खड़े होकर नारे लगाने पर कहा कि उनकी आयु अधिक है और वे चाहते हैं कि वे अपनी सीट पर बैठकर नारे लगाएं। वहीं विपक्ष के बाहर जाने पर उन्होंने कहा कि विरोध करने वाले थक के बाहर चले गए हैं।

### जो बस्तर कभी आकांक्षी जिला माना जाता था, आज वह पूरे देश में बस्तर ओलंपिक के नाम से जाना जा रहा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को संसद में अपने उद्बोधन के दौरान विशेष रूप से बस्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि जो बस्तर कभी आकांक्षी जिला माना जाता था, आज वह पूरे देश में बस्तर ओलंपिक के नाम से जाना जा रहा है। विकास की धारा अब बस्तर के गांव-गांव तक पहुंच रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई ऐसे गांव हैं जहां पहली बार बस सेवा शुरू हुई और पूरे गांव ने इसे उत्सव की तरह मनाया। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब कुछ जिलों को पिछड़ा मानकर छोड़ दिया गया था। वहां रहने वाले करोड़ों लोगों की मौलिक आवश्यकताओं तक को नकार दिया गया था और उन्हें उसी अवस्था में जीने के लिए मजबूर कर दिया गया। इन क्षेत्रों में विकास के अभाव ने हालात को और बदतर बना दिया था। स्थिति यहां तक पहुंच गई थी कि ऐसे जिलों को पनिशमेंट पोस्टिंग के लिए उपयुक्त माना जाने लगा था, जिससे वहां की व्यवस्था और अधिक बिगड़ती चली गई। मोदी ने कहा कि इस सोच और संस्कृति को बदला गया। यह निर्णय लिया गया कि पिछड़े क्षेत्रों में योग्य, युवा और होनहार अधिकारियों को तैनात किया जाएगा और उन्हें पूरे तीन वर्ष का समय दिया जाएगा, ताकि वे स्वतंत्र रूप से काम कर सकें। एक के बाद एक ठोस निर्णय लिए गए और आज उनके परिणाम देश देख रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज संसद में प्रधानमंत्री के बस्तर में हुए विकास पर दिए गए वक्तव्य पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बस्तर क्षेत्र छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है। यह क्षेत्र प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है, जिसे धरती का स्वर्ग कहा जा सकता है। यहां अनेक सुंदर जलप्रपात हैं।

# भारत-अमेरिका ट्रेड डील में कृषि और डेयरी पर कोई समझौता नहीं: चौहान

## किसान हित पूरी तरह सुरक्षित: शिवराज सिंह

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे भ्रामक आरोपों को खारिज करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा समझौते से भारतीय कृषि, विशेषकर कृषि और डेयरी सेक्टर के हितों से कोई भी नुकसान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह डील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में डिप्लोमेसी, डेवलपमेंट और डिग्निटी का नया उदाहरण है। किसान हित सरकार के लिए सर्वोपरि हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने पत्रकारों के साथ बात करते हुए कहा कि हमारे मुख्य अनाज, फल, प्रमुख फसलें, मिलेट्स और डेयरी उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित हैं और भारतीय कृषि या डेयरी पर किसी तरह का खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों के हित पूरी तरह संरक्षित हैं और इस समझौते से उल्टा भारत के किसानों को नए अवसर मिलेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कोई बड़ी चीज भारत के बाजार में अचानक नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सभी मुख्य फसलें, मुख्य अनाज, फल और डेयरी उत्पाद सुरक्षित हैं और किसी भी ऐसे क्षेत्र के लिए बाजार नहीं खोला गया है, जो भारतीय किसानों

के लिए नुकसानदेह हो सके।

यूएस ट्रेजरी सेक्रेटरी के उस ट्वीट से पैदा संशय पर, जिसमें अमेरिकी फार्म प्रोडक्ट्स के ज्यादा भारत आने की बात कही गई थी, चौहान ने कहा कि वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में पूरे तथ्य स्पष्ट कर दिए हैं और वे स्वयं भी दोहरा रहे हैं कि छोटे और बड़े, सभी भारतीय किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं और मुख्य कृषि उत्पादों के लिए बाजार इस प्रकार नहीं खोला गया है कि किसानों पर दबाव बने। केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि भारत पहले से ही अमेरिका सहित विभिन्न देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है और हाल के आंकड़ों के अनुसार लगभग 63,000 करोड़ रुपये के चावल का निर्यात किया गया था।

उन्होंने कहा कि टैरिफ कम होने से हमारे चावल, मसालों और टेक्सटाइल के निर्यात को बल मिलेगा और जब टेक्सटाइल एक्सपोर्ट बढ़ेगा तो इसका सीधा लाभ कपास उगाने वाले हमारे किसानों को होगा। चौहान ने कहा कि यह समझौता समग्र रूप से भारत के किसानों के हित में है और विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाने के बावजूद तथ्य यही हैं कि किसान हित सुरक्षित हैं और निर्यात के नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर कहना चाहता हूं, किसान अन्नदाता हैं, अन्नदाता मतलब जीवनदाता। उनके हित ही देश के हित हैं और वे हित सुरक्षित हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसानों की सेवा सरकार के लिए भगवान की पूजा के समान है और मोदी सरकार हर कदम पर किसान के पक्ष में खड़ी रहेगी।

# लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव बिना जवाब के ही ध्वनिमत से पारित

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्षी दलों के आठ सदस्यों के निलंबन और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की मांग पर हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक और फिर 02 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। इस दौरान हंगामे के बीच सदन ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को बिना जवाब के ही ध्वनिमत से पारित कर दिया।

लोकसभा की कार्यवाही गुरुवार को पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि उन्हें कई स्थगन प्रस्तावों की सूचना मिली है, लेकिन किसी को अनुमति नहीं दी गई। इस दौरान

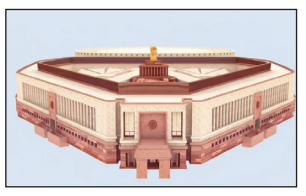

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपद यशो नाईक, सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने अपने-अपने मंत्रालयों से जुड़े दस्तावेज सदन के पटल पर रखे।

कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य हाथों में बैनर, पोस्टर और तख्तियां लेकर सदन के बीचोंबीच पहुंच गए और सरकार विरोधी नारे लगाने लगे। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों को चेतावनी दी कि हाथों में तख्तियां लेकर आने पर उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा। इसके बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अनेक संशोधन प्रस्तुत किए गए, जिन्हें मतदान के बाद अस्वीकृत कर दिया गया। इस दौरान हंगामे के बीच ही धन्यवाद प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि वे सदन को चलने दें और सभी को बजट पर बोलने का अवसर दें। उन्होंने कहा कि लगातार हंगामा करना सदन का अपमान है लेकिन विपक्षी सदस्यों के विरोध के चलते कार्यवाही को 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया।

गौरतलब है कि बुधवार को विपक्ष की महिला सदस्य बैनर लेकर प्रधानमंत्री की सीट के पास पहुंच गई थीं, जिसके चलते कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी थी। हालांकि उस समय प्रधानमंत्री सदन में मौजूद नहीं थे। अध्यक्ष बिरला ने बीते दिन हुई घटनाओं पर नाराजगी जताते हुए कहा था कि विपक्षी सदस्य सत्ता पक्ष की वेल तक पहुंच गए थे, जो सदन की मयार्दा के अनुरूप नहीं है। सदन की गरिमा बनाए रखना सभी सदस्यों की जिम्मेदारी है और यदि इसे खत्म किया जाएगा तो सदन चलाना संभव नहीं हो सकेगा।

# सरकार विपक्ष को बोलने नहीं दे रही, इसलिए किया वॉकआउट : खरगे

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के राज्य सभा में भाषण के दौरान विपक्ष के वॉकआउट को उचित बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने न तो लोकसभा में और न ही राज्यसभा में विपक्ष के नेताओं को बोलने दिया, जबकि विपक्ष राष्ट्रपति के अभिभाषण पर अपनी बात रखना चाहता था। सरकार विपक्ष की आवाज दबा रही है, किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों पर अमेरिका के साथ हुए समझौते पर जवाब देने से बच रही है और बेरोजगारी, महंगाई तथा सामाजिक न्याय जैसे सवालों पर चर्चा से भी कतराती है।

संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में खरगे ने कहा कि चार दिनों से लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया, जबकि विपक्ष लोकतंत्र के हित में अपनी बात रखना चाहता था। विपक्षी दलों ने तय किया था कि यदि विपक्ष के नेता को बोलने दिया जाएगा तो सभी दल चर्चा में हिस्सा लेंगे, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया।

खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री से भी विपक्ष ने आग्रह किया था कि उन्हें दो मिनट बोलने का अवसर दिया जाए, जिससे स्थिति सामान्य हो सकती थी, लेकिन सरकार की मंशा विपक्ष को चुप

कराने की थी। विपक्ष ने न तो हंगामा किया और न ही प्रधानमंत्री को बाधित किया, फिर भी उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार उन नेताओं का अपमान सहन कर रही है, जो स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले पूर्व प्रधानमंत्रियों और कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हैं। जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी जैसे नेताओं ने आधुनिक भारत की नींव रखी, लेकिन सदन में उनके बारे में अपमानजनक टिप्पणियों पर सरकार चुप रहती है।

खरगे ने कहा कि विपक्ष ने एकजुट होकर निर्णय लिया कि जब उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है और उनके नेताओं का अपमान किया जा रहा है, तो वॉकआउट कर विरोध दर्ज कराना ही उचित होगा। विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा और जनता के मुद्दों को उठाने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन सरकार चर्चा से बच रही है।

# अमित शाह ने भारत की पहली सहकारिता-आधारित टैक्सी सेवा भारत टैक्सी का औपचारिक शुभारंभ किया

एजेंसी

नई दिल्ली

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में भारत की पहली सहकारिता-आधारित टैक्सी सेवा भारत टैक्सी का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर एवं श्री मुरलीधर मोहोल और सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए 1,200 से अधिक सारथियों (ड्राइवर पार्टनर्स) ने भाग लिया, जो भारत टैक्सी के चालक सशक्तिकरण और सहकारी स्वामित्व आधारित मॉडल के प्रति व्यापक समर्थन को दर्शाता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए मालिकाना हक का एक मॉडल तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि तीन साल के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामख्या तक सहकार टैक्सी हमारे टैक्सी सार्थियों के कल्याण का एक बहुत बड़ा माध्यम बन जाएगी। श्री शाह ने कहा कि जब पहली बार उन्होंने संसद के सामने सहकार टैक्सी का विषय रखा तो बहुत सारे लोगों, खासकर टैक्सी परिचालन से जुड़ी कंपनियों, ने सवाल उठाया कि सरकार टैक्सी के क्षेत्र में क्यों प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को सहकार और सरकार के बीच का भेद नहीं मालूम है। श्री शाह ने कहा कि सरकार टैक्सी के क्षेत्र में प्रवेश नहीं रही, बल्कि सहकार टैक्सी के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है।

शाह ने कहा कि शायद पूरी दुनिया में पहली बार ऐसी अनूठी कंपनी अस्तित्व में आ रही है, जिसका असली मालिक कोई व्यक्ति या बाहरी कंपनी नहीं, बल्कि टैक्सी चलाने वाला सारथी ही है। सहकार टैक्सी से जुड़े हर एक सारथी भाई-बहन ही इस सहकारी टैक्सी समिति के सच्चे मालिक हैं। उन्होंने कहा कि यह संकल्पना सहकार टैक्सी से जुड़ने वाले सारथियों के जीवन, आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिति में आमूल-चूल परिवर्तन लाने वाली है। श्री शाह ने यह भी कहा कि हमारे देश में पहले ऐसे कई मॉडल सफल हो चुके हैं। सिर्फ 11 दूध उत्पादकों ने अमूल की शुरूआत की थी। आज गुजरात में 36 लाख से अधिक पशुपालक महिलाओं का विशाल वटवृक्ष खड़ा हो चुका है। यह पशुपालक महिलाएं सवा लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार करती हैं। उन्होंने कहा कि यह मॉडल दर्शाता है कि जब आम लोग स्वयं मालिक बनते हैं, तो छोटी शुरूआत भी बहुत बड़े परिणाम दे सकती है। उन्होंने कहा कि पशुपालक बहनें आज दूध बेचकर एक करोड़ रुपए तक की सालाना कमाई कर रही हैं, जो सहकारी मॉडल का कमाल है।

शाह ने टैक्सी सारथियों से अपील की कि वे अभी भी टैक्सी चलाते हैं, सहकार टैक्सी से जुड़ने के बाद भी टैक्सी चलाएँगे, लेकिन दोनों में एक बड़ा फर्क होगा। उन्होंने कहा कि अभी टैक्सी का पहिया किसी और की जेब में पैसे डालता है, लेकिन अब सारथियों की टैक्सी के पहिये की कमाई सारथियों की जेब में ही जाएगी। उन्होंने कहा कि यह विचार सहकारिता की भावना से ही जन्म लेता है। सहकारिता का असली अर्थ यही है कि जब ढेर सारे छोटे-छोटे पूंजी वाले लोग अपनी ताकत को एकत्रित कर लेते हैं, तो वे मिलकर बहुत बड़े-बड़े काम कर पाते हैं। जिनके पास बहुत बड़ी पूंजी होती है, वे अकेले बड़ा काम करते हैं और मुनाफा भी कुछ ही लोगों तक सीमित रहता है। श्री शाह ने कहा कि आज जिस सहकारिता मॉडल की बात की जा रही है, वही आज के समय में सबसे नई और सबसे सफल शुरूआत है। उन्होंने कहा कि अब टैक्सी का पहिया किसी और की कमाई के लिए नहीं, बल्कि टैक्सी सारथियों की समृद्धि और खुशहाली के लिए घूमेगा। शाह ने कहा कि भारत में कई विश्व-स्तरीय सहकारी मॉडल खड़े हो चुके हैं, जिनमें अमूल, इफको, कृभको जैसी संस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से किसी भी सहकारी संस्था में शुरूआती पूंजी बहुत बड़ी नहीं थी। इसी तरह सहकार टैक्सी में सबसे बड़ी शेयर पूंजी सिर्फ 500 रुपये है और वही 500 रुपये सारथियों को असली मालिक का दर्जा दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह छोटी सी राशि टैक्सी सारथियों की मेहनत, आत्मसम्मान और उनकी आर्थिक आजादी की नींव बनने जा रही है। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष पांच सारथियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया, जिससे सहकारी मॉडल के अंतर्गत चालक स्वामित्व और भागीदारी को प्रोत्साहन मिले। प्रत्येक सम्मानित सारथी को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा प्रमाणपत्र तथा 5 लाख की पारिवारिक स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान की गई, जो चालक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के प्रति भारत टैक्सी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

# मुख्यमंत्री का भाजपा पर हमला, पूछा क्या भाजपा सांसद व विधायक उठाएंगे हिमाचल के अधिकारों की आवाज

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वीरवार को बिलासपुर जिला के झंडूता विधानसभा क्षेत्र के बरठीं में एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए री-रड़ोह पुल तथा दधोग टपें गांव में पुल के निर्माण के लिए अढ़ाई करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने बरठीं, गेहड़वी और झंडूता स्कूल को सीबीएसई पाठ्यक्रम पर आधारित करने की भी घोषणा की। उन्होंने तलाई में सब तहसील, मल्होट में कॉपरेटिव बैंक खोलने की घोषणा की। पीएचसी कलोल को अपग्रेड करने की घोषणा की। उन्होंने भल्लू घाट पुल पर हुए सड़क हादसे के प्रभावित 16 परिवारों को 31-31 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की। इसके अलावा उन्होंने मरणोपरांत शौर्य चक्र विजेता बलदेव चंद के परिजनों को भी सम्मानित किया।



उन्होंने कहा कि पहली बार हिमाचल प्रदेश के निचले क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी का मुख्यमंत्री बना। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं कि कभी आम परिवार से निकल कर प्रदेश की सेवा करने का मौका मिलेगा।

सुक्खू ने कहा कि संविधान के प्रावधानों के मुताबिक 73 साल से हिमाचल प्रदेश को ग्रांट मिल रही थी लेकिन अब इसे बंद कर दिया गया है। हिमाचल प्रदेश में 68 प्रतिशत वन भूमि है और लोग 32 प्रतिशत भूमि पर गुजारा करते हैं। लेकिन इस बात को नजर अंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि एक फरवरी हिमाचल प्रदेश के इतिहास का काला दिन है, जब केंद्र सरकार ने हर साल मिलने वाले लगभग दस हजार करोड़ रुपये की ग्रांट बंद कर दी। उन्होंने कहा, ह्यह्यआज भाजपा के सांसदों और विधायकों से पूछा जाना चाहिए, क्या पांच साल में न मिलने वाले 50 हजार करोड़ के विरुद्ध आवाज उठाएगें? इसके विरुद्ध प्रदेश की जनता को आवाज उठानी पड़ेगी क्योंकि यह लोगों के अधिकारों पर डाका है। हम यह लड़ाई जनता के सहयोग से लड़ेंगे। हिमाचल के अधिकारों के लिए हम भाजपा विधायकों के नेतृत्व में दिल्ली जाने को तैयार हैं। आज मैं मुख्यमंत्री हूं, कल कोई और होगा लेकिन हिमाचल प्रदेश के अधिकारों की लड़ाई सर्वोपरि है ।ह्लह्ल

उन्होंने कहा कि मछुआरों की रॉयल्टी को राज्य सरकार ने 15 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत किया है और आने वाले समय में इसे और कम किया जाएगा।

इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने झण्डूता विधानसभा क्षेत्र के बरठीं में 42.43 करोड़ रुपये की 4 विकासात्मक परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास किये।

मुख्यमंत्री ने 3.30 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित परमवीर चक्र विजेता नायब सूबेदार संजय कुमार राजकीय बहुतकनीकी, कलोल के प्रशासनिक भवन का उद्घाटन किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने 12.88 करोड़ रुपये की लागत से घुमारवीं-बरठीं-शाहतलाई सड़क के उन्नयन कार्य, 25 करोड़ रुपये से शाहतलाई नगर के लिए मल निकासी योजना (पुनरीक्षित) के निर्माण कार्य तथा 1.25 करोड़ रुपये की लागत से शाहतलाई में चरण गंगा के सौंदर्यकरण के कार्य का शिलान्यास भी किया।

# हिमाचल के सभी स्कूलों में 1 मार्च से छात्रों के मोबाइल पर प्रतिबंध

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश में एक मार्च से सरकारी और निजी सभी स्कूलों में छात्रों के मोबाइल फोन इस्तेमाल करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाएगा। स्कूल परिसर में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं होगी और यदि किसी विद्यार्थी के पास मोबाइल पाया गया तो उस पर 500 रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। मोबाइल जब्त किया जाएगा और अभिभावकों को स्कूल बुलाकर समझाया जाएगा। बार-बार नियम तोड़ने पर तय मानक प्रक्रिया (एसओपी) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने गुरूवार को बिलासपुर जिले के घुमारवीं में आयोजित राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता के समापन समारोह में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि कई स्कूलों में देखा गया है कि बच्चे लंच टाइम और खाली समय में मोबाइल में व्यस्त रहते हैं, जिससे उनका ध्यान पढ़ाई से भटकता है। इस समस्या को देखते हुए सरकार ने स्कूलों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। शिक्षा विभाग जल्द ही इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करेगा।




मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार केवल नए स्कूल खोलने पर नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि राज्य के विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। उन्होंने कहा कि वे स्वयं सरकारी स्कूल में पढ़े हैं, इसलिए सरकारी स्कूलों में बेहतर शिक्षा व्यवस्था लागू करना उनकी प्राथमिकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार स्कूलों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा दे रही है और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में खेल मैदान विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। खेल पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ खिलाड़ियों की सुविधाओं में भी सुधार किया जा रहा है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों की डाइट मनी बढ़ाई है और राज्य से बाहर प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में विजेता हिमाचल प्रदेश टीम को 20 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में एशियन गेम्स में भाग लेकर लौटने वाली प्रदेश की बेटियों को राज्य सरकार रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएगी।

# वेद शर्मा ने दिवंगत जुगल किशोर गुप्ता की चौथी पुण्यतिथि पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का किया उद्घाटन

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के सर्वकोण प्रकोष्ठ प्रभारी वेद शर्मा ने आज रानी तालाब, दिगियाना में भाजपा उद्योग प्रकोष्ठ संयोजक दीपक गुप्ता द्वारा डॉ. के.डी. मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल और नव्या सृजन सेवा संस्थान के सहयोग से आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। यह चिकित्सा शिविर, जिसके बाद भंडारा भी आयोजित किया गया, भाजपा के वरिष्ठ नेता दिवंगत जुगल किशोर गुप्ता की चौथी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था।



जुगल किशोर गुप्ता का पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए निधन हो गया था। दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वेद शर्मा ने उन्हें एक समर्पित और निस्वार्थ पार्टी कार्यकर्ता के रूप में याद किया जिन्होंने अपना पूरा जीवन समाज और संगठन की सेवा में समर्पित कर दिया था।

उन्होंने कहा कि जुगल किशोर गुप्ता एक प्रतिबद्ध विचारक थे जिन्होंने जनता के कल्याण और पार्टी को मजबूत करने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने कहा कि उनकी स्मृति में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन उनकी सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

वेद शर्मा ने आगे कहा कि भाजपा हमेशा से राजनीतिक सीमाओं से परे जनसेवा में विश्वास रखती आई है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का आयोजन उनके सेवा, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को सच्ची श्रद्धांजलि है।

# आरडीजी मुद्दे पर कांग्रेस राजनीति कर रही : जयराम ठाकुर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार पर राजनीतिक लाभ लेने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस संवेदनशील विषय पर तथ्यों को सही तरीके से सामने रखने के बजाय कांग्रेस जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रही है और केंद्र सरकार पर अनावश्यक आरोप लगाए जा रहे हैं।



जयराम ठाकुर ने गुरूवार को शिमला में पत्रकार वार्ता में कहा कि कांग्रेस नेताओं को पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी ही पार्टी शासित राज्य कर्नाटक ने पहले आरडीजी व्यवस्था को समाप्त करने की मांग उठाई थी। उन्होंने सवाल किया कि जब कांग्रेस शासित राज्य इस तरह की मांग कर चुके हैं तो हिमाचल के मुख्यमंत्री इस तथ्य पर चुप क्यों हैं। उनके अनुसार इससे कांग्रेस की अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग नीति होने का संकेत मिलता है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 15वें वित्त आयोग ने अपनी सिफारिशों में पहले ही संकेत दे दिया था कि भविष्य में राजस्व घाटा अनुदान की व्यवस्था चरणबद्ध तरीके से समाप्त हो सकती है। उस समय वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू विधानसभा में विधायक थे और उन्हें इस विषय की पूरी जानकारी थी ।जयराम ठाकुर ने कहा कि अब इस मुद्दे पर अनभिज्ञता जताना उचित नहीं है और मुख्यमंत्री को स्पष्ट करना चाहिए कि उस समय उनका क्या रुख था।

उन्होंने आरोप लगाया कि आरडीजी को लेकर डर और भ्रम का माहौल बनाकर प्रदेश सरकार अपनी वित्तीय स्थिति से जुड़े सवालों और प्रशासनिक चुनौतियों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। उनके अनुसार वित्त आयोग की सिफारिशें एक दीर्घकालिक प्रक्रिया का हिस्सा होती हैं और राज्यों को इसके बारे में पहले से संकेत दिए जाते हैं, इसलिए इसे अचानक लिया गया निर्णय बताना सही नहीं है।

## संक्षिप्त-समाचार

### सीयू के सभी विभागों के दो नामित अध्यापकों को संस्कृत में प्रशिक्षित करेगा सीयू : प्रो. बंसल



**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय भारतीय ज्ञान परम्परा का सम्यक बोध कराने के लिए अपने सभी विभागों के दो अध्यापकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इसके तहत सभी विभाग दो अध्यापकों को संस्कृत बोध हेतु नामित करेंगे और हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का संस्कृत विभाग इन नामित अध्यापकों में संस्कृत बोध पैदा करने के लिए एक वर्ष का पाठ्यक्रम डिजाइन करेगा। यह बातें हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल ने वीरवार को दस दिवसीय आवासीय संस्कृत संभाषण कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में कहीं। यह कार्यशाला हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और संस्कृत भारती, हिमाचल प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। प्रो.बंसल ने कहा कि परिसर में सांस्कृतिक बोध को सशक्त करने के लिए हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मध्य जल्द ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के बलाहर परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने आवासीय सम्भाषण कार्यशाला में सहभाग कर रहे सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और यह आशा जताई कि कार्यशाला भारतीय ज्ञान परम्परा के सातत्य को बनाए रखने में महत्वपूर्ण साबित होगी।

### धर्मशाला के मुकेश थापा गोरखा अवार्ड से सम्मानित

**धर्मशाला।** भारतीय गोरखा परिसंघ के सौजन्य से आगरा में आयोजित दो दिवसीय 7वें त्रैवार्षिक महा अधिवेशन में धर्मशाला के मुकेश थापा को गोरखा अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम 31 जनवरी और पहली फरवरी को आयोजित हुआ। जिसमें यूपी की नेता प्रतिपक्ष ने उन्हें स्मृति चिन्ह और शाल ओढ़ा कर गोरखा अवार्ड, 2026 से अलंकृत किया। इस दो दिवसीय महा अधिवेशन में मुख्य अतिथि सूर्य प्रकाश पाल (उपाध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश ने शिरकत की। महा अधिवेशन में पूरे भारत से भारतीय गोरखा परिसंघ के अध्यक्ष और सदस्य उपस्थित रहे। इस अवार्ड की विशेषता यह है कि ये पूरे भारत से गोरखा समाज के उन विशिष्ट व्यक्तियों को दिया जाता है, जिन्होंने अपने गोरखा समाज का नाम और भारत का नाम और पूरे विश्व में रोशन किया है। मुकेश थापा अपने नाम कई राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार हासिल कर चुके हैं। एक बाल से पेंटिंग बनाने का वर्ल्ड रिकार्ड भी उनके नाम है। मुकेश थापा का कहना है कि वह इसी तरह निस्वार्थ देश के लिए कार्य करते रहेंगे और देश और प्रदेश का नाम नाम पूरे विश्व में रोशन करेंगे।

### शिमला में आईएसबीटी के पास युवक से चिट्टा बरामद, गिरफ्तार

**शिमला।** शिमला के आईएसबीटी के पास पुलिस ने एक युवक को चिट्टा (हेरोइन) के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 7.48 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार थाना बालूगंज शिमला के एएसआई पुनीत शर्मा अपनी टीम के साथ 5 फरवरी को आईएसबीटी के पास गश्त पर थे। इसी दौरान उन्हें विश्वसनीय सूचना मिली कि एक युवक, जो लंबे समय से ढली और सिमेट्री क्षेत्र में चिट्टा बेचने के काम में शामिल है, चंडीगढ़ से नशे की खेप लेकर आईएसबीटी पहुंचा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर संदिग्ध युवक को पकड़ा। तलाशी लेने पर युवक के पास से 7.48 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी की पहचान संदीप राणा उर्फ सैंडी (20) निवासी गांव रैत, पोस्ट ऑफिस धनशाली, जिला टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह नशे की खेप कहां से लाता था और इसे किन लोगों तक पहुंचाता था। मामले की आगे की जांच जारी है।




### मेहराज मलिक के पीएसए मामले में उच्च न्यायालय अगले सप्ताह दलीलें सुनेगा

**जम्मू।** जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय 12 फरवरी को आम आदमी पार्टी (आप) विधायक मेहराज मलिक की सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत के समर्थन में जम्मू-कश्मीर प्रशासन की दलीलें सुनेगा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रवक्ता मुदासिर हसन ने बताया कि न्यायमूर्ति मोहम्मद यूसुफ ने गुरुवार को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की दलीलों का कुछ हिस्सा सुना और मामले की अगली सुनवाई 12 फरवरी को तय की। डोडा से विधायक मलिक को पिछले साल सितंबर में पीएसए के तहत गिरफ्तार किया गया था। आप ने इस हिरासत को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

# शिक्षा मंत्री ने किया अशोक ठाकुर की पुस्तक बेमिसाल शिक्षा से बना बेमिसाल देश का विमोचन

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के रिवालसर में आयोजित भारत स्काउट एंड गाइड के कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग में कार्यरत प्रधानाचार्य अशोक ठाकुर की लिखी पुस्तक बेमिसाल शिक्षा से बना बेमिसाल देश का विमोचन किया। अशोक ठाकुर ने बताया कि पिछले वर्ष उन्हें हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग के द्वारा एक हफ्ते के अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक भ्रमण एवं प्रशिक्षण के लिए सिंगापुर भेजा गया था ताकि वहां की अध्यापन पद्धतियों को समझ कर अपने देश-प्रदेश में उन्हें लागू कर सकें।



उन्होंने इस दौरान प्राप्त अनुभव एवं अवलोकन इस पुस्तक में संजोए हैं, उसी दिशा में उनका यह एक प्रयास है जिसके माध्यम से वह शिक्षा को बोझ ना बनाकर आनंदपूर्ण शिक्षण में बदलने पर जोर दे रहें हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी देश के विकास में उसकी शिक्षा व्यवस्था आधार का काम करती है, जिसका वहां के विकास में अहम योगदान होता है।

उन्होंने साथ जोड़ते हुए कहा कि विकसित देशों के विद्यालय अच्छे नागरिकों के कारखाने होते हैं जो बेहतर और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करते हैं। जिससे देश का चहुमुखी विकास प्रशस्त होता है, इस पुस्तक के माध्यम से वह शिक्षकों एवं प्रधानाचार्यों में एक मानसिक क्रांति लाने का प्रयास कर रहे हैं। क्योंकि शिक्षण एक हल्के में किया जाने वाला कार्य नहीं है अपितु इसके लिए बेहद समर्पित एवं कर्मठ शिक्षकों की आवश्यकता है। जो भावी पीढ़ी के निर्माण के लिए जुनून के साथ कार्य करे और आनंदपूर्ण शिक्षण के साथ अपने विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में सहायता करे इसी में हमारे देश का विकास भी निहित है।

इस पुस्तक के लेखक अशोक ठाकुर को वर्ष 2023 में हिमाचल शिक्षक पुरस्कार से राज्यपाल के द्वारा अलंकृत किया गया है साथ ही उन्हें आपदा प्रबंधन के लिए हिमाचल के मुख्यमंत्री सुक्खू जी भी पुरस्कृत कर चुके हैं। इसके अलावा उन्हें एक्सेप्शनल एजुकेटर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

# हिमाचल में 14 पुलिस अधिकारियों के तबादले, चार जिलों के एसपी बदले

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश सरकार ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए 14 पुलिस अधिकारियों के तबादले और नई तैनातियां की हैं। इस फेरबदल में शिमला, ऊना, सोलन और मंडी जिलों के पुलिस अधीक्षक (एसपी) बदले गए हैं। इस सम्बंध में गुरूवार देर शाम आदेश जारी किए गए।

इसके तहत आईपीएस अधिकारियों में सोलन के एसपी गौरव सिंह को बदलकर अब शिमला का एसपी तैनात किया गया है। जबकि सचिन हिरामथ को ऊना जिले का एसपी बनाया गया है। तिरुमलराजु एसडी वर्मा को सोलन जिले का एसपी लगाया गया है। मंडी जिले में एचपीएस अधिकारी बिनोद कुमार-कको एसपी नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा आईपीएस अधिकारी अभिषेक दुल्लर को पुलिस महानिरीक्षक (कम्युनिकेशन एवं टेक्निकल सर्विसेज) की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह डॉ. डी.के. चौधरी को पुलिस महानिरीक्षक (आर्म्ड पुलिस एवं ट्रेनिंग) नियुक्त किया गया है। रोहित मलपानी को डीआईजी साइबर क्राइम बनाया गया है, जबकि आईपीएस डॉ. रमेश चंदर छाजटा को डीआईजी प्रिजन्स एवं करेक्शनल सर्विसेज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। देवाकर शर्मा को डीआईजी इंटेलिजेंस एवं सिक्योरिटी, धर्मशाला तैनात किया गया है।

आईपीएस साक्षी वर्मा को एसपी राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, मंडी लगाया गया है। अरविंद चौधरी को चौथी इंडियन रिजर्व बटालियन जंगलबेरी का कमांडेंट बनाया गया है और उनके पास एसटीएफ मंडी जोन का अतिरिक्त कार्यभार भी रहेगा। आईपीएस संदीप कुमार भारद्वाज को राज्यपाल के एडीसी के रूप में तैनात किया गया है। आईपीएस संजीव कुमार गांधी, जो शिमला के एसपी थे, अब डीआईजी बनाए गए हैं और उनकी सेवाएं कार्मिक विभाग को सौंपी गई हैं।

**सेहत** | **उपकरण खरीद प्रक्रिया तेज करने के निर्देश**

# हिमाचल में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने पर जोर

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल ने कहा है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए लगातार काम कर रही है, ताकि लोगों को अपने घर के नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण और उन्नत चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने यह बात गुरूवार को हिमाचल प्रदेश मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीएमएससीएल) की स्पेशल हाई पावर परचेज कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।



स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पहली बार रोबोटिक सर्जरी की शुरूआत की गई है और करीब 1,110 करोड़ रुपये खर्च कर स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट, ट्रॉमा सेंटर, कैंसर डे केयर केंद्र, चिकित्सा महाविद्यालयों और आदर्श स्वास्थ्य संस्थानों सहित पूरे राज्य में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया गया है। उन्होंने कहा कि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जाइका) के सहयोग से भी स्वास्थ्य क्षेत्र को और मजबूत किया जा रहा है। इसके पहले चरण में अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीद के लिए 1,710 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि दूसरे चरण में स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए 1,617 करोड़ रुपये की कार्ययोजना स्वीकृति के लिए भेजी गई है।

डॉ. शांडिल ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण खरीद सुनिश्चित करने में एचपीएमएससीएल की महत्वपूर्ण भूमिका है और अधिकारियों को चिकित्सा उपकरणों तथा सामग्री की निविदा और खरीद प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में नैदानिक सेवाओं को मजबूत करने और उन्नत चिकित्सा उपकरणों की खरीद पर विशेष जोर दिया गया, जिनमें लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सेट, शल्य चिकित्सा उपकरण, एफईएसएस एंडोस्कोपी यूनिट, मल्टीपैरा मॉनिटर और अन्य आधुनिक उपकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य अवसंरचना का आधुनिकीकरण कर रही है और इसके लिए पर्याप्त वित्तीय सहायता भी उपलब्ध करवाई जा रही है। सरकार का प्रयास है कि लोगों को अत्याधुनिक उपचार सुविधाएं राज्य के भीतर ही मिलें, ताकि इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम हो और लोगों के समय तथा धन दोनों की बचत हो।

बैठक के दौरान ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाइयों के लिए बायोमेडिकल उपकरणों की खरीद, 13 सिंगल पंचर लैप्रोस्कोप की आपूर्ति तथा हमीरपुर, टांडा चिकित्सा महाविद्यालय और अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपरस्पेशलिटी आयुर्विज्ञान चमियाना में ट्रैक आधारित एकीकृत लैब ऑटोमेशन सिस्टम की स्थापना से संबंधित निविदा दस्तावेजों को भी स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग और एचपीएमएससीएल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

### जेकेपीएसए प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ से की शिष्टाचार भेंट, निजी स्कूलों और शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय पर चर्चा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन (जेकेपीएसए) की सांबा इकाई के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में नव-नियुक्त मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) सांबा यश पाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जिले की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जेकेपीएसए के जिला अध्यक्ष प्रदीपक सांब्याल ने किया। बैठक के दौरान निजी शिक्षण संस्थानों और शिक्षा विभाग के बीच समन्वय को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। सीईओ यश पाल शर्मा ने 24 जनवरी 2026 को आयोजित तिरंगा रैली में निजी स्कूलों की सराहनीय भागीदारी की प्रशंसा की जिसमें 8,000 से अधिक प्रतिभागियों ने रानी सुचेतगढ़ स्टेडियम से सांबा किला तक मार्च किया था। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक स्तर को ऊंचा उठाने के लिए आपसी सहयोग और प्रभावी समन्वय बेहद जरूरी है। बैठक में जेकेपीएसए के विभिन्न पदाधिकारियों ने प्रशासनिक मुद्दे भी उठाए। केंद्रीय निकाय के प्रचार सचिव गौरव चाढ़क ने राष्ट्रीय कार्यक्रमों की पूर्व सूचना समय पर जारी करने और जिला स्तरीय बैठकों में निजी स्कूल प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग रखी। जिला अध्यक्ष प्रदीपक सांब्याल ने परीक्षाओं के सुचारू संचालन और परिणामों की शीघ्र पुष्टि की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं महासचिव विशाल सिंह जम्वाल ने यूडीआईएसई पोर्टल पर छात्रों के डेटा संशोधन (एसओ2 और एसओ3 फॉर्म) की प्रक्रिया को सरल और तेज करने की मांग की।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सब का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा, स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

# 38वें राष्ट्रीय खेल के पदक विजेताओं को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 9 को करेंगे सम्मानित, सीएम कप का भी करेंगे शुभारंभ: गौरव गौतम

## गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा समारोह

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा की खेल नीति देश में सबसे श्रेष्ठ है और प्रदेश खेलों में सबसे प्रगतिशील है। हरियाणा सरकार खेल नीति के तहत राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं से लेकर ओलंपिक पदक तक की उपलब्धियों पर खिलाड़ियों को 51,000 से लेकर 6 करोड़ रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है, जिससे खिलाड़ी आर्थिक रूप से मजबूत भी हो रहे हैं। खिलाड़ियों के हितों का ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा 9 फरवरी को गुरुग्राम के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा उत्तराखंड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेल पदक विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा और सीएम कप-2025 का भी शुभारंभ किया जाएगा। खेल मंत्री आज यहां हरियाणा निवास पर पत्रकारवार्ता कर रहे थे।

खेल मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि सम्मान समारोह में राष्ट्रीय खेलों के 48 स्वर्ण, 47 रजत और 58 कांस्य पदक विजेताओं के साथ-साथ खेलों में भागीदारी करने वाले कुल 689 खिलाड़ियों, कोचों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस मौके पर भारतीय हाकी में उत्कृष्ट योगदान देने व हाल ही में पदमश्री अवार्ड से सम्मानित खिलाड़ी सविता पूनिया को भी विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से अब तक लगभग 709 करोड़ रुपये की राशि 16970 खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि के रूप में दी जा चुकी है। वर्ष 2025-2026 के दौरान 662 खिलाड़ियों को 109 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है, ताकि खिलाड़ियों का कल्याण हो सके।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों की सच्ची हितैषी है। प्रदेश में 1500 खेल नर्सरियां खोली गई हैं, जिनमें 37 हजार से ज्यादा खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। इसके अलावा, 500 और खेल नर्सरियों के खोलने के लिए खेल विभाग ने आवेदन मांगे हैं। नर्सरियों में खिलाड़ियों की प्रतिभा को तराशा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा खेल विभाग का मिशन ओलंपिक 2036 है। इसमें हरियाणा का 36 पदक जीतने का लक्ष्य है। इसी दिशा में काम भी किया जा रहा है। आगामी बजट में इसी मिशन को ध्यान में रखकर राशि तय करने का काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की देखरेख में केंद्र का ऐतिहासिक बजट रखा गया है, जिसमें खेलों के लिए 33 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है। उन्होंने कहा कि 114 करोड़ की राशि से प्रदेश के खेल स्टेडियमों के कायाकल्प किया जा रहा है, जिसमें से 70 प्रतिशत काम हो चुका है। इस अवसर पर खेल विभाग हरियाणा के प्रधान सचिव श्री विजय सिंह दहिया, खेल विभाग के एडिशनल डायरेक्टर श्री अश्वनी मलिक मौजूद रहे।

# समाधान शिविर में पहुंचने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का किया जा रहा है समाधान : विवेक आर्य

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि समाधान शिविर में पहुंचने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान किया जा रहा है। इस शिविर में हर समस्या का गंभीरता के साथ सुना जा रहा है और मौके पर ही सम्बन्धित विभाग के माध्यम से समस्या का समाधान भी किया जा रहा है। इस शिविर की एक-एक समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को समय रहते शिविर का फायदा मिल सके। उन्होंने मौके पर ही कीर्ति नंबर निवासी रोहित के परिवार पहचान पत्र से उसकी मृतक पत्नी का नाम हटाने की समस्या का मौके पर ही हल करके नया पीपीपी पत्र जारी किया।

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों को सुन रहे थे। इससे पहले अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने सिंचाई विभाग की पानी निकासी, पुलिस विभाग, समाज कल्याण विभाग की पेंशन सम्बन्धित और क्रीड विभाग के साथ-साथ बिजली विभाग की समस्या का मौके पर समाधान करने के लिए सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को आदेश दिए है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रत्येक सोमवार व वीरवार को जिला स्तर व उपमंडल स्तर पर सुबह 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इन शिविरों में नागरिकों की समस्याओं को सुनते हुए समाधान किया जा रहा है। नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के लिए सरकार द्वारा समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। समाधान शिविर में शिकायतें निपटाने के बाद भी निगरानी कमेटी फीडबैक के लिए शिकायतकताओं से संपर्क करती है। शिकायतकर्ता की संतुष्टि न होने पर शिकायत को रि-ओपन किया जाता है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान करने में अधिकारी गंभीरता बरतें। इन शिकायतों का निपटाने करने में जिस विभाग और अधिकारी की लापरवाही मिलती है, उस पर नियमानुसार कार्रवाई भी हो सकती है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों में से अधिकारी सबसे पहले अपने विभाग की अधिक समय से लंबित शिकायतों का निपटारा किया जाए।

उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों की निगरानी स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कर रहे हैं। प्रदेश स्तर पर गठित टीम हर शुक्रवार को इन शिकायतों पर सभी जिलों के साथ समीक्षा भी करती है। अतिरिक्त उपायुक्त ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वो उपमंडल शाहाबाद, लाडवा और पिहोवा में लगने वाले समाधान शिविर में शिकायतें देकर उनका फायदा उठाए।

# नूंह में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में 15 में से 11 परिवादों का मौके पर निवारण

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए

हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह की अध्यक्षता में आज नूंह स्थित लघु सचिवालय के सभागार में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में एजेंडे में शामिल 15 परिवादों में से 11 का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष चार परिवादों को लंबित रखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई कर अगली बैठक में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

कैबिनेट मंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जनहित में अनेक योजनाएं क्रियान्वित की गई हैं और जिला प्रशासन के सभी विभागों के अधिकारी सुनिश्चित करें कि सरकार की सभी योजनाओं व कार्यक्रमों का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जिला नूंह में जंगल सफारी विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके साथ ही हम नए बजट में यह प्रयास कर रही है कि जिला नूंह में अधिक से अधिक उद्योग स्थापित हों, ताकि यहां के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर प्राप्त हों।

बैठक में मंत्री राव नरबीर सिंह ने राजकीय मेडिकल कॉलेज से सम्बंधित, राशन वितरण, विकास एवं पंचायत, पानी की सप्लाई, प्रदूषण, आम जन की रोजमर्रा के जीवन से सम्बंधित समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

# नाटक उजबक राजा ने दर्शकों को गुदगुदाते हुए दिया स्वदेशी अपनाओ का संदेश

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

फरीदाबाद में चल रहे 39वें अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड मेले में निरंतर ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी प्रतिभा से सभी को मोहित करते हुए महोत्सव को चार चांद लगा रहे हैं। पारम्परिक हस्तशिल्प, हथकरघा, लोक कला, देश-विदेश के व्यंजन और संस्कृति का अद्भुत संगम 31 जनवरी से लगातार भारत के सबसे बड़े मेलों में शामिल सूरजकुण्ड मेले में देखने को मिल रहा है। मेले के प्रांगण में बनी दो नम्बर चौपाल पर कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा के सौजन्य से निरंतर कलाकार अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पर्यटकों का मन मोह रहे हैं। इसी कड़ी में विभाग की ओर से कुरुक्षेत्र के न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप द्वारा अलकनंदन के लिखे और विकास शर्मा द्वारा निर्देशित नाटक उजबक राजा को मंचित करने का अवसर मिला। हास्य नाटक उजबक राजा में दिखाया कि अरनाखेड़ा के राजा रेशमलाल को तरह-तरह के कीमती वस्त्र पहनना अच्छा लगता है। जिसके लिए राजा राजकोष को प्रजा की भलाई की अपेक्षा अपने वस्त्रों पर अधिक खर्च करता है। एक दिन राजा को सूचना मिलती है कि उनके पड़ोसी राजा देशबंधू उनके साथ फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता करने के लिए आ रहे हैं।

फैंसी ड्रैस प्रतियोगिता का सुनकर राजा रेशमलाल देश के अलग-अलग राज्यों से दर्जी बुलाते हैं ताकि अपने लिए शानदार कपड़े बनवा सके। लेकिन राजा को कोई भी स्वदेशी कपड़े पंसद नहीं आते। बाद में राजा रेशमलाल को पता चलता है कि देशबंधू ने विदेशी दर्जियों से कपड़े तैयार करवाए हैं। जिसके कारण राजा रेशमलाल विदेशी दर्जी बुलवाने को कहता है। एक दिन दो ठग विदेशी दर्जी बनकर राजा के पास पहुंचते है और राजा को बताते हैं कि वो राजा के लिए जादू के कपड़े बनाएंगे, जो केवल खानदानी और रईसों को ही दिखाई देगी, मुर्ख या गरीब लोग कपड़े को नहीं देख पाएंगे। जादू के सूट के बदले ठग राजा से करोड़ो रुपये ऐंठ लेते हैं। जब रानी को पता चलता है तो रानी ठगों की मशीन को तोड़ देती है। लेकिन ठग राजा को बताते हैं कि रानी ने जलन के कारण राजा के जादू के सूट को खराब कर दिया। जिसके कारण नया सूट बनाने के लिए ठग राजा से और पैसे ले लेते हैं। प्रतियोगिता वाले दिन ठग राजा को नंगा करके सब धन लूटकर ले जाते हैं। जब राजा देशबंधू अरनाखेड़ा पहुंचते हैं तो पता चलता है कि वो भी नंगे हैं और राजा रेशमलाल से पहले दोनों ठग राजा देशबंधु को लूटकर आए हैं। इस प्रकार हास्य रस से भरपूर नाटक ने विदेशी निवेश को छोड़कर स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। नाटक में राजा रेशमलाल का किरदार सूर्यांश चावला, मंत्री हितेश जंगम, रानी रचना अरोड़ा, देशबंधू गौरव दीपक जांगड़ा, विदेशी ठग का किरदार सागर शर्मा व डा. राजीव कुमार ने निभाया। अन्य किरदारों में नव्या मेहता, कनिका शर्मा, ध्रुवम गोयल, रोहित, चंचल शर्मा, कंचन यादव तथा आकाशदीप रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन अल्पना सुहासिनी ने किया।

## संक्षिप्त-समाचार

### कुवि के यूएसएम में पाँच दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स कार्यशाला: छात्रों में संचार, नेतृत्व व कॉर्पोरेट शिष्टाचार पर विशेष जोर

**कुरुक्षेत्र।** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा सेंटर ऑफ कंटीन्यूइंग एजुकेशन के सहयोग से रूसा प्रोजेक्ट सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित पाँच दिवसीय सॉफ्ट स्किल्स कार्यशाला के तीसरे दिन का आयोजन फैकल्टी लाउंज में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों की पेशेवर दक्षताओं, संचार कौशल तथा कार्यस्थल की तैयारी को सुदृढ़ करना है। प्रातः सत्र में सॉफ्ट स्किल्स विशेषज्ञ डॉ. आकाश चंद ने प्रभावी संचार, अपेक्षा प्रबंधन, भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं संकट प्रबंधन जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। समूह चर्चा और मॉक इंटरव्यू के माध्यम से छात्रों के आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता को विकसित किया गया। दोपहर सत्र में कॉरपोरेट ट्रेनर डॉ. प्राची कपिल ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सुनने के कौशल के महत्व को समझाया तथा वर्कप्लेस और डाइनिंग एटिकेट पर व्यावहारिक जानकारी दी।

### विज्ञान सम्मेलन 2026: सतत भविष्य की दिशा में वैज्ञानिक संवाद

**कुरुक्षेत्र।** हरियाणा राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा कुरुक्षेत्रविश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 29 एवं 30 जनवरी 2026 कोकुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में विज्ञान सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन का विषयह्लविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा जीवन को सशक्त बनाना झ्र सततभविष्य की ओर एक क्वांटम छलांगह्व रहा। सम्मेलन का उद्देश्य समकालीन वैज्ञानिक चुनौतियों पर विचार-विमर्शकरना तथा विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान एवं नवाचार कोबढ़ावा देना था। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि सुश्री दीप्ति धमार्णीका स्वागत किया गया। आईआईएसईआर मोहाली के प्रो. अरविंद नेमुख्य भाषण में सतत विकास में विज्ञान की भूमिका पर प्रकाशडाला। पोस्टर मेकिंग, मॉडल प्रदर्शनी, विजुअल स्टोरी टेलिंग और क्विजप्रतियोगिता में जिले भर से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।हमारे विद्यालय के 45 विद्यार्थियों ने सहभागिता की और उत्कृष्टप्रदर्शन किया। पोस्टर मेकिंग में कीर्तिका (कक्षा 8वीं उ) को तृतीयस्थान तथा विजुअल स्टोरी टेलिंग में अन्वी (कक्षा 8वीं अ) ने तृतीयस्थान प्राप्त कर 1100 रुपए की नकद राशि जीती। तेजल व मान्या(कक्षा 8वीं इ) ने सांत्वना पुरस्कार तथा 500 रुपए की नकद राशिप्राप्त की। क्विज प्रतियोगिता में अतुलित रंजन, कार्तिक सचदेवा एवंदिव्यन्न की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 10,000 की नकद राशिजीती।

# 2047 तक किसानों की आय चार गुणा बढ़ाने का लक्ष्य: श्याम सिंह राणा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- करनाल के गांव गोंदर में जिला स्तरीय सेमिनार आयोजित

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि 2047 तक किसानों की आय चार गुणा करने और 20 प्रतिशत जमीन पर प्राकृतिक खेती करने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार खेती को मुनाफे का सौदा बनाना चाहती है। इसलिए खाद, बीज, कृषि उपकरणों, पराली प्रबंधन आदि पर सब्सिडी प्रदान की जा रही है। उन्होंने किसानों से आय बढ़ाने के लिए बागवानी, पशुपालन, मछली पालन जैसे व्यवसाय अपनाने की भी अपील की।

श्री राणा करनाल के गांव गोंदर में स्थित एक फार्म पर एकीकृत बागवानी मिशन के तहत आयोजित जिला स्तरीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस मौके पर उनका पुष्प गुच्छ देकर, शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की है। सरकार तब तक किसानों की आमदनी चार गुणा बढ़ाना चाहती है। श्री राणा ने कहा कि लगातार बढ़ती आबादी के कारण जमीन की जोत भी छोटी होती जा रही है। कृषि लागत भी बढ़ रही है। आज लंबवत खेती की तकनीकों के सहारे पैदावार को बढ़ाना होगा।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले किसानों को उपज का दाम सीधे नहीं मिलता था, आढ़तियों के खाते में पैसा जाता था। हिसाब-किताब करने के बाद किसान के पल्ले कुछ नहीं बचता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। फसल बिकने के 48 घंटे के भीतर राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंच जाती है।

कैबिनेट मंत्री श्री राणा ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में बहुत अवसर हैं। सरकार भी इसे लाभकारी बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। खाद, कीटनाशक, कृषि उपकरण, पराली प्रबंधन आदि पर सब्सिडी मुहैया कराई जा रही है।

सेमिनार में विषय ज्ञाताओं ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर कृषि, बागवानी, मत्स्य विभाग के साथ-साथ प्रगतिशील किसानों और बागवानी क्षेत्र की मशीनरी कंपनी एनएचआरडीएफ सलारू द्वारा स्टाल लगाए गए जिनमें किसानों से संबंधित विभिन्न योजनाओं की जानकारी पंफलेट, फोल्डर, पत्रिका आदि के माध्यम से दी गई।

साथ ही शहद, हल्दी, नेट हाउस और किसान उत्पादक संगठन द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। कृषि मंत्री ने इन स्टाल्स का भी अवलोकन किया।

# मौजूदा राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं का केंद्र बिंदु है किसान कल्याण : कृष्ण कुमार बेदी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- कैबिनेट मंत्री ने नरवाना में क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनकर विचार साझा किए

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि मौजूदा राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं का केंद्र बिंदु किसान कल्याण है। सरकार यह भली - भांति समझती है कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है और किसानों की समृद्धि के बिना प्रदेश की तरक्की संभव नहीं है। इसी सोच के साथ केंद्र व राज्य सरकार मिलकर कृषि को एक लाभकारी व्यवसाय बनाने की दिशा में लगातार ठोस और दूरदर्शी कदम उठा रही है, जिनका सीधा लाभ किसानों के साथ-साथ खेत मजदूरों को भी मिल रहा है।

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी वीरवार को नरवाना में क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले सरकार की योजनाएं केवल पारंपरिक फसलों तक सीमित रहती थीं, लेकिन मौजूदा सरकार ने कृषि के दायरे को व्यापक बनाया है।

अब खेती को केवल गेहूं और धान तक सीमित न रखते हुए फल, फूल, सब्जियां, मत्स्य पालन, पटसन, काजू, गरम मसाले जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों और गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे किसानों की आय के नए स्रोत खुले हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। कैबिनेट मंत्री श्री बेदी ने बताया कि इन फसलों की खेती करने वाले किसानों को सरकार द्वारा सस्ती दरों पर ऋण उपलब्ध करवाने का सराहनीय प्रावधान किया गया है। किसानों को खाद, बीज, कीटनाशक और अन्य आवश्यक कृषि सामग्री खरीदने के लिए केवाईसी के माध्यम से आसान ऋण सुविधा दी जा रही है। इस ऋण का भुगतान किसान अपनी फसल बेचने के बाद कर सकते हैं, जिससे उन पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ता और वे बिना चिंता के खेती कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसान को साहूकारों के चंगुल से मुक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है।

कैबिनेट मंत्री ने यह भी बताया कि मौजूदा सरकार ने किसानों की आय सुनिश्चित करने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का निर्णय लिया है। इससे किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है और बाजार में उन्हें किसी तरह के शोषण का सामना नहीं करना पड़ता। फसल की बिक्री के 48 घंटे के भीतर ही पूरी भुगतान राशि सीधे किसान के बैंक खाते में जमा कर दी जाती है।

# सूरजकुंड मेले में दिखा दक्षिण भारत की चित्रकला का वैभव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- तमिलनाडु के शिल्पकार की 12 लाख रुपये की तंजौर पेंटिंग बनी आकर्षण का केंद्र

फरीदाबाद की सुरम्य अरावली पहाड़ियों में आयोजित 39वां सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेला कला प्रेमियों के लिए किसी स्वर्ग से कम नहीं है। मेले में देश-विदेश की विविध संस्कृतियों के बीच दक्षिण भारत की पारंपरिक चित्रकला अपनी अमिट छाप छोड़ रही है। तमिलनाडु से आए शिल्पकार केशव की तंजौर पेंटिंग पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

शिल्पकार केशव के स्टॉल पर 12 हजार रुपए से लेकर 12 लाख रुपए तक की बेशकीमती पेंटिंग्स प्रदर्शित की गई हैं। तिरुपति बालाजी की 12 लाख रुपए की कीमत वाली पेंटिंग अपनी सूक्ष्म कारीगरी, शुद्ध सोने की पन्नी के काम और कीमती रत्नों के जुड़ाव के कारण मेले की सबसे महंगी और भव्य कलाकृतियों में से एक है, जो मेले में आकर्षण का केंद्र बनी है। 15 फरवरी तक चलने वाले सूरजकुंड मेले में रोजाना हजारों पर्यटक पहुंच रहे हैं। लोकल टू ग्लोबल-आत्मनिर्भर भारत की पहचान थीम के साथ आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर क्राफ्ट मेले में स्वदेशी, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

मेले में हरियाणा के साथ अन्य प्रदेशों के कलाकार भी अपनी लोक शैली से पर्यटकों का मनोरंजन कर रहे हैं। मेले में लोक कलाकारों द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में परंपरागत वाद्य यंत्र बजाकर दर्शकों का स्वागत किया जा रहा है। इन कलाकारों के वाद्य यंत्रों की ध्वनि इतनी सुरीली है कि पर्यटक खुद को थिरकने से नहीं रोक पा रहे हैं। मेले में डेरु, बैगपाइपर व ढोल की थाप पर युवक युवतियां ही नहीं, बल्कि विदेशी पर्यटक भी जमकर झूमते नजर आ रहे हैं।

## 41वें राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे पशुपालन एवं कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

# कुरुक्षेत्र राज्य स्तरीय पशु मेले के रैंप पर कैटवॉक करेंगे बेशकीमती अच्छी नस्ल के पशु : डा. अनिल बनवाला

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

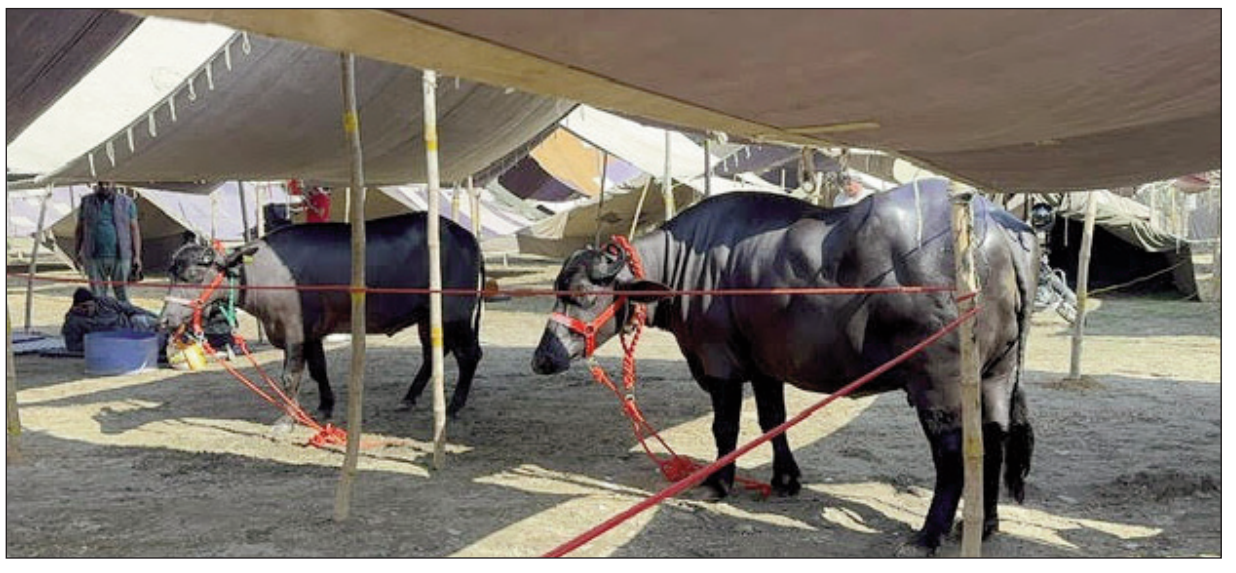

पशुपालन विभाग के उप निदेशक डा. अनिल बनवाला ने कहा कि कुरुक्षेत्र राज्य स्तरीय पशु मेले के रैंप पर बेशकीमती अच्छी नस्ल के पशु कैटवॉक करेंगे। इस मेले में प्रतियोगिता में अच्छी नस्ल का पुरस्कार जीतने वाले पशुपालकों को इनाम राशि भी दी जाएगी। इसके लिए सरकार ने करीब एक करोड़ रुपए का प्रावधान भी किया है। इतना ही नहीं 6 से 8 फरवरी तक चलने वाले राज्य स्तरीय पशु मेले में रोजाना पंजीकरण करवाने वाले किसानों को भी बुलेट जैसे आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। इस पुरस्कार के लिए रोजाना सायं के समय लक्की ड्रा से विजेताओं के नाम निकाले जाएंगे।

उपनिदेशक डा. अनिल बनवाला ने वीरवार को केडीबी मेला क्षेत्र में बातचीत करते हुए कहा कि हरियाणा के पशुपालन एवं कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा 6 फरवरी को 41 वें राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। इस कार्यक्रम में नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी भी शिरकत करेंगे। इसी तरह 7 फरवरी को केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी और पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप करेंगे। उन्होंने कहा कि 41वें राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी के समापन समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्यातिथि होंगे और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

उन्होंने कहा कि मेले में दो प्रदर्शनियों का भी आयोजन किया जाएगा। इन प्रदर्शनियों में 100 से ज्यादा सरकारी और निजी संस्थाएं पहुंचनेंगे। इन प्रदर्शनियों में नई तकनीक देखने को मिलेगी और नई तकनीकी से किसानों तथा पशुपालनों को साइंस की नई तकनीकी का ज्ञान मिलेगा। इसके अलावा किसानों के लिए रोजाना मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा और सरकार की तरफ से नि शुल्क जलपान की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि पशुपालन विभाग की तरफ से आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय पशु मेले में 23 जिलों से लगभग 1 लाख किसान भाग लेंगे। इन सभी जिलों से किसानों को लाने व ले जाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा कार्यक्रम स्थल पर भी पशुपालन विभाग की तरफ से तमाम पुख्ता इंतजाम किए गए है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय पशु मेले में 1500 पशु पहुंचेंगे और सभी अच्छी नस्ल के होंगे। इन पशुओं के लिए 53 कैटेगरी निर्धारित की गई है और सभी कैटेगरी में प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

संपादकीय

# गेम ओवर नहीं, ज़िंदगी ओवर: बच्चों में बढ़ती गेमिंग लत का डरावना सच

डिजिटल दौर में तकनीक ने शिक्षा, संचार और रचनात्मकता के नए रास्ते खोले हैं, लेकिन इसी तेजी से बढ़ती डिजिटल दुनिया का एक अंधेरा पक्ष भी सामने आ रहा है– ऑनलाइन गेमिंग की लत और उसका बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर खतरनाक प्रभाव। मनोरंजन का साधन समझे जाने वाले ऑनलाइन गेम अब कई परिवारों के लिए चिंता, तनाव और शोक का कारण बनते जा रहे हैं। बीते कुछ वर्षों में बच्चों और किशोरों से जुड़े आत्महत्या के मामलों के विश्लेषण में यह पाया गया है कि डिजिटल लत, सामाजिक अलगाव और ऑनलाइन दबाव जैसे कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह केवल पारिवारिक अनुशासन का सवाल नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और नीति-निर्माण का गंभीर विषय बन चुका है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग बच्चों की मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया जाता है। रंगीन ग्राफिक्स, लगातार मिलने वाले रिवॉर्ड, लेवल अप सिस्टम और रियल-टाइम प्रतियोगिता बच्चों को लंबे समय तक स्क्रीन से जोड़े रखते हैं। समस्या तब और बढ़ती है जब गेम्स में हार-जीत को प्रतिष्ठा से जोड़ दिया जाता है। कई लोकप्रिय मल्टीप्लेयर गेम्स में रैंकिंग गिरना या टीम से बाहर कर दिया जाना बच्चों के लिए भावनात्मक झटका बन जाता है। किशोर मस्तिष्क अभी विकास की अवस्था में होता है, इसलिए वे वर्चुअल असफलता को भी वास्तविक जीवन की हार की तरह महसूस कर सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अत्यधिक गेमिंग बच्चों की नींद, दिनचर्या और सामाजिक व्यवहार को बुरी तरह प्रभावित करती है। देर रात तक गेम खेलना नींद की कमी, ध्यान भटकने और पढ़ाई में गिरावट का कारण बनता है। धीरे-धीरे बच्चा परिवार से संवाद कम कर देता है और अकेलेपन की आदत विकसित हो जाती है। यह मानसिक अलगाव अवसाद (डिप्रेशन) के शुरुआती संकेतों में गिना जाता है। जब यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो बच्चा भावनात्मक रूप से बेहद संवेदनशील हो सकता है। बच्चों में आत्महत्या की प्रवृत्तियों पर किए गए विभिन्न मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि डिजिटल लत प्रत्यक्ष कारण न सही, लेकिन एक 'ट्रिगर फैक्टर' जरूर बन सकती है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध शोध बताते हैं कि जिन किशोरों का स्क्रीन टाइम अत्यधिक होता है और जिनकी वास्तविक सामाजिक बातचीत सीमित होती है, उनमें अवसाद और आत्मघाती विचारों का जोखिम अधिक पाया गया। भारत में भी छात्र आत्महत्याओं पर जारी आधिकारिक रिपोर्टें यह संकेत देती हैं कि मानसिक तनाव, परीक्षा का दबाव और डिजिटल निर्भरता जैसे कारक मिलकर स्थिति को जटिल बनाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ऑनलाइन गेम्स में लगातार हार, साइबर बुलिंग या अपमानजनक टिप्पणियाँ बच्चों के आत्मसम्मान को गहराई से चोट पहुंचा सकती हैं। साइबर बुलिंग एक और गंभीर पहलू है। मल्टीप्लेयर गेम्स के चैट फीचर्स के जरिए गाली-गलौज, धमकी या अपमानजनक व्यवहार आम हो चुका है। किशोरावस्था में आत्मसम्मान बेहद नाजुक होता है। बार-बार की ऑनलाइन बेइज्जती या ट्रोलिंग बच्चे को यह महसूस करा सकती है कि वह किसी लायक नहीं है। यही भावना अवसाद को गहरा कर सकती है। कुछ मामलों में बच्चों ने ऑनलाइन हार या डिजिटल अपमान के बाद खुद को नुकसान पहुंचाने जैसे कदम उठाए–ऐसी घटनाएं समाज को झकझोरने के लिए काफी हैं। गेमिंग का आर्थिक पक्ष भी मानसिक दबाव बढ़ाता है। कई गेम्स 'फ्री टू प्ले' मॉडल पर चलते हैं, लेकिन आगे बढ़ने के लिए महंगे वर्चुअल आइटम खरीदने का लालच देते हैं। जब बच्चे यह खरीदारी नहीं कर पाते या अभिभावक मना कर देते हैं, तो वे खुद को साथियों से पीछे महसूस करते हैं। यह असमानता हीनता (सोशल कंपेरिजन) मानसिक तनाव को और बढ़ा सकती है। हालांकि यह समझना जरूरी है कि हर बच्चा जो गेम खेलता है, वह जोखिम में नहीं होता। समस्या तब गहरी होती है जब गेमिंग जीवन का एकमात्र सहारा बन जाता है। जिन बच्चों के पास भावनात्मक समर्थन कम होता है, परिवार में संवाद की कमी होती है या पहले से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां होती हैं, वे अधिक संवेदनशील पाए गए हैं। इसलिए समाधान केवल 'गेम बंद करो' कह देने में नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक हस्तक्षेप में है। सरकारों और नियामक संस्थाओं को आयु-आधारित गेम वर्गीकरण को सख्ती से लागू करना होगा। हिंसक या मनोवैज्ञानिक रूप से हानिकारक कंटेंट वाले गेम्स पर कड़े दिशानिर्देश जरूरी हैं। गेम कंपनियों को भी 'प्ले टाइम लिमिट', ब्रेक रिमाइंडर और मजबूत पैरेंटल कंट्रोल जैसे फीचर्स अनिवार्य रूप से देने चाहिए। बच्चों के लिए बनाए गए प्लेटफॉर्म पर चैट मॉडरेशन और साइबर सुरक्षा तंत्र मजबूत होना चाहिए। अभिभावकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों पर केवल पाबंदी लगाने के बजाय उनके साथ खुला संवाद जरूरी है। यह समझना होगा कि बच्चा गेम्स में क्यों डूब रहा है– क्या वह तनाव से भाग रहा है, क्या उसे अकेलापन है, या क्या उसे उपलब्धि की भावना वहीं मिल रही है? परिवार में भावनात्मक सुरक्षा मिलने पर बच्चा डिजिटल दुनिया पर कम निर्भर होता है। स्कूलों में भी मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता जीवन का हिस्सा है और ऑनलाइन दुनिया वास्तविकता का विकल्प नहीं। काउंसलिंग सेवाएं और डिजिटल संतुलन पर जागरूकता कार्यक्रम बच्चों को भावनात्मक रूप से मजबूत बना सकते हैं। मीडिया और समाज को भी जिम्मेदारी निभानी होगी। सनसनीखेज तरीके से घटनाएं दिखाने के बजाय मानसिक स्वास्थ्य सहायता और रोकथाम पर जोर देना चाहिए। आत्महत्या के हर मामले के पीछे कई जटिल कारण होते हैं– ऑनलाइन गेमिंग उनमें से एक कारक हो सकता है, लेकिन समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए। स्पष्ट है कि ऑनलाइन गेमिंग का मुद्दा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि बाल मानसिक स्वास्थ्य और जीवन सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय है। समय रहते संतुलित नियमन, पारिवारिक संवाद, शैक्षणिक जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य सहायता को मजबूत किया जाए, तो इस बढ़ते संकट को रोका जा सकता है। तकनीक को दोष देने के बजाय उसके सुरक्षित और संतुलित उपयोग की संस्कृति विकसित करना ही सबसे प्रभावी रास्ता है।

## विदेश नीति : भरोसा, मानवता और राष्ट्रीय हित की परीक्षा

डॉ. अनिल कुमार निगम

भारत सरकार के केंद्रीय बजट 2026-27 में विदेश मंत्रालय के लिए 22,118 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। इस बजट में नेपाल को 800 करोड़ रुपये, श्रीलंका को 400 करोड़ रुपये, भूटान को सबसे भरोसेमंद पड़ोसी मानते हुए 2,289 करोड़ रुपये तथा अफगानिस्तान को 150 करोड़ रुपये मानवीय सहायता के रूप में दिए जाने का प्रावधान किया गया है। यह तथ्य भारत की विदेश नीति की कूटनीतिक प्राथमिकताओं को तो रेखांकित करता है, साथ ही कई गंभीर प्रश्न भी खड़े करता है। क्या यह आवंटन घरेलू जरूरतों के अनुरूप है? क्या भरोसे के आधार पर किया गया निवेश ठोस परिणाम देगा?

विदेश के लिए 22,118 करोड़ रुपये का आवंटन यह संकेत देता है कि भारत वैश्विक मंच पर अधिक सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका निभाने की महत्वाकांक्षा रखता है। 'पड़ोसी पहले', 'एक्ट ईस्ट', 'इंडो-पैसिफिक' और 'वैश्विक दक्षिण' जैसी नीतियां इस आकांक्षा का वैचारिक आधार हैं। परंतु हमें यह देखना भी आवश्यक है कि क्या यह बढ़ा हुआ व्यय केवल कूटनीतिक विस्तार का प्रतीक है या वास्तव में राष्ट्रीय हितों में ठोस परिणाम देगा?

भूटान को 2,289 करोड़ रुपये का आवंटन यह दशार्ता है कि भारत उसे अपना सबसे भरोसेमंद पड़ोसी मानता है। भारत-भूटान संबंध पारंपरिक रूप से मित्रतापूर्ण और स्थिर रहे हैं। जलविद्युत परियोजनाओं, सुरक्षा सहयोग और आर्थिक सहायता के माध्यम से भारत ने भूटान के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हालांकि आलोचक यह प्रश्न उठाते रहे हैं कि क्या लगातार बड़ी आर्थिक सहायता से भूटान की आत्मनिर्भरता प्रभावित नहीं होती? क्या यह रिश्ता सहयोग से आगे बढ़कर निर्भरता की ओर तो नहीं जा रहा? यदि सहायता का उपयोग केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित रह जाए और स्थानीय क्षमता निर्माण पर ध्यान न दिया जाए, तो दीर्घकाल में यह भारत और भूटान- दोनों के लिए चुनौती बन सकता है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि यहां भारत एक अच्छे पड़ोसी की भूमिका निभा रहा है।

नेपाल को 800 करोड़ रुपये का आवंटन भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति का प्रमुख उदाहरण है। भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध अत्यंत गहरे हैं। खुली सीमा और पारिवारिक रिश्ते इस संबंध को विशिष्ट बनाते हैं। हालांकि यह इसमें सचाई है कि नेपाल में चीन की बढ़ती दखलंदाजी भारत के लिए रणनीतिक चिंता का विषय रही है।

प्रश्न यह है कि क्या आर्थिक सहायता से नेपाल में भारत के प्रति विश्वास और सहयोग स्थायी रूप से बढ़ा है? पूर्व में नेपाल की आंतरिक राजनीति में भारत-विरोधी स्वर उभरते रहे हैं, जिससे यह संदेह पैदा होता है कि केवल वित्तीय सहायता कूटनीतिक विश्वास स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। सहायता के साथ-साथ सम्मानजनक संवाद और आपसी हितों का संतुलन भी आवश्यक है।

श्रीलंका को 400 करोड़ रुपये का आवंटन उसके हालिया आर्थिक संकट की पृष्ठभूमि में देखा जा सकता है। संकट के समय भारत ने सहायता देकर एक जिम्मेदार पड़ोसी की भूमिका निभाई, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा भी गया। यह सहायता मानवीय दृष्टि से उचित प्रतीत होती है। लेकिन प्रश्न यह है कि यह सहायता दीर्घकालिक रणनीतिक लाभ में परिवर्तित होगी? श्रीलंका में चीन की आर्थिक और रणनीतिक उपस्थिति पहले से मजबूत है। यदि भारतीय सहायता केवल संकट-प्रबंधन तक सीमित रह जाती है तो इससे भारत के भू-राजनीतिक हितों को अपेक्षित मजबूती नहीं मिल पाएगी।

अन्य पड़ोसी देश अफगानिस्तान को 150 करोड़ रुपये की मानवीय सहायता भारत की नैतिक और मानवीय प्रतिबद्धता को दशार्ती है। राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और मानवीय त्रासदी के बीच अफगान जनता को सहायता देना अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी के अनुरूप है।

भारत की घरेलू परिस्थितियां देखें तो देश आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति, युवाओं में बेरोजगारी और महँगाई का दबाव आम नागरिक की रोजमर्रा की चिंता है। ऐसे में विदेश मंत्रालय के लिए 22,118 करोड़ रुपये और पड़ोसी देशों को दी जा रही बड़ी सहायता यह सवाल उठाती है कि क्या प्राथमिकताओं का संतुलन सही है? लोकतंत्र में सरकारी व्यय की वैधता पारदर्शिता और जवाबदेही पर निर्भर करती है। विदेश सहायता के मामलों में यह और भी आवश्यक हो जाता है, क्योंकि इसका प्रत्यक्ष लाभ आम नागरिक को तुरंत दिखाई नहीं देता। इसलिए यह स्पष्ट होना चाहिए कि इन राशियों का उपयोग किन परियोजनाओं में होगा, उनकी निगरानी कैसे होगी और असफलता की स्थिति में जिम्मेदारी किसकी होगी।

वास्तविकता तो यह है कि 2026-27 के बजट में विदेश मंत्रालय को 22,118 करोड़ रुपये का आवंटन और उसमें नेपाल, श्रीलंका, भूटान तथा अफगानिस्तान के लिए निर्धारित सहायता भारत की सक्रिय और महत्वाकांक्षी विदेश नीति को दशार्ती है। आशा है कि भारत सरकार की यह नीति क्षेत्रीय स्थिरता, मानवीय जिम्मेदारी और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन साधने का सार्थक प्रयास है।

**(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

## सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव: क्या बदला है और यह क्यों जरूरी है


सौरभ गर्ग

महंगाई देश के सबसे अहम आर्थिक संकेतकों में से एक है, जिसे आम लोग रोजमर्रा की ज़िंदगी में सीधे महसूस करते हैं, जैसे घर का राशन, किराया और पेट्रोल-डीजल के खर्च में बढ़ोतरी से।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) इसी महंगाई को मापता है। यह उन चीजों और सेवाओं के दाम देखता है, जिनका इस्तेमाल आम परिवार रोज करता है। सरल शब्दों में, सीपीआई आम आदमी की ज़िंदगी का आईना है। यह बताता है कि थाली में खाने का खर्च कितना बढ़ा, घर का किराया कितना हुआ, और काम पर जाने के लिए ईंधन कितना महंगा हुआ।

सीपीआई भले ही एक आंकड़ा लगता हो, लेकिन यह सरकार को यह समझने में मदद करता है कि लोगों पर महंगाई का असली असर क्या है। इसी आधार पर वेतन, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े फैसले किए जाते हैं, ताकि जरूरी चीजें आम लोगों की पहुंच में बनी रहें।

भारतीय रिजर्व बैंक भी ब्याज दर और महंगाई को नियंत्रित करने जैसे फैसलों के लिए सीपीआई आधारित महंगाई को ही सबसे मुख्य पैमाना मानता है। इसलिए जब सीपीआई जमीन की हकीकत सही तरीके से दिखाता है, तब सरकार और आरबीआई की नीतियाँ भी लोगों की असली परेशानियों के अनुसार बेहतर बन पाती हैं।

महंगाई सिर्फ दाम बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह भी है कि दामों में बदलाव से घर के बजट पर कितना असर पड़ता है। इसलिए जितना जरूरी दामों को मापना है, उतना ही जरूरी यह भी है कि महंगाई का सूचकांक लोगों की आज की खर्च करने की आदतों को सही तरीके से दिखाए। इसी संदर्भ में भारत में सीपीआई के आधार वर्ष को 2012 से बदलकर 2024 किया जा रहा है।

पिछली बार आधार बदले जाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में बहुत बदलाव आया है। शहरों की आबादी बढ़ी है, सेवाओं का क्षेत्र बढ़ा है, डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण खरीदारी का तरीका बदला है और घरों का खर्च अब कई नई चीजों पर होने लगा है।

इसीलिए नया सीपीआई 2024 तैयार करने में 2023-24 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। समय के साथ लोगों की जरूरतें और खर्च बदलते हैं, इसलिए सीपीआई में अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं को दी जाने वाली अहमियत भी बदली गई है। जिन चीजों पर अब परिवार ज्यादा खर्च करते हैं, उन्हें सीपीआई में ज्यादा महत्व दिया गया है, और जिन पर खर्च कम हो गया है, उन्हें कम महत्व दिया गया है।

इससे सीपीआई वही महंगाई दिखाता है, जो सच में आम परिवार के बजट को प्रभावित करती है। साथ ही, उपभोग की टोकरी (कंजम्पशन बास्केट) को भी बदला गया है, ताकि सेवाओं पर बढ़ते खर्च जैसे नए रुझान दिखाई दे सकें, जो बढ़ती आय और बदलती जीवनशैली की वजह से बढ़ रहे हैं। सीपीआई को मापने का तरीका अपडेट करना भी उतना ही जरूरी है, जितना यह तय करना कि उसमें क्या-क्या शामिल किया जाए।

नया संशोधित सीपीआई अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के ज्यादा करीब है, लेकिन इसमें भारत से जुड़ी खास बातें भी बनी हुई हैं। इससे भारत की महंगाई की तुलना दूसरे देशों से करना आसान हो जाता है।

आम परिवार के लिए इसका मतलब यह है कि सरकार और नीति बनाने वाले लोग यह बेहतर समझ पाते हैं कि भारत में दामों में होने वाला बदलाव दुनिया के हालात से कैसे जुड़ा है, और साथ ही यह भी ध्यान रहता है कि रोजमर्रा की ज़िंदगी पर क्या असर पड़ रहा है।

सीपीआई के लिए आंकड़े जुटाने का तरीका भी अब लोगों की बदलती खरीदारी और खर्च की आदतों के अनुसार बेहतर बनाया गया है। जहां पहले की तरह बाजारों से दाम इकट्ठा किए जाते रहेंगे, खासकर खाने-पीने और जरूरी चीजों के, वहीं 2024 के नए ढांचे में अब कुछ सेवाओं के ऑनलाइन दाम भी शामिल किए जा रहे हैं। जैसे मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं, हवाई टिकट और कुछ अन्य सेवाओं के दाम अब ऑनलाइन स्रोतों से भी लिए जाएंगे।

नई सीपीआई श्रृंखला में अब कंप्यूटर की मदद से दाम इकट्ठा किए जा रहे हैं। इससे हाथ से होने वाली गलतियाँ कम हुई हैं और तुरंत जाँच भी हो जाती है। इससे दामों से जुड़े आंकड़ों की गुणवत्ता और समय पर उपलब्धता दोनों बेहतर हुई हैं। सीपीआई के आंकड़े सही और समय पर मिलना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसी के आधार पर ऐसे फैसले होते हैं, जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को प्रभावित करते हैं, जैसे कर्ज कितना महंगा होगा, बचत पर कितना ब्याज मिलेगा, और बढ़ती महंगाई से घर का बजट कैसे प्रभावित होगा।

नए आधार वर्ष की सीपीआई में अब कई मामलों में सरकारी स्रोतों से मिलने वाले आधिकारिक आंकड़ों का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है। जैसे रेल किराया, डाक शुल्क, ईंधन के दाम और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बिकने वाली चीजें। इससे इन दामों को पहले से ज्यादा सही तरीके से दर्ज किया जा रहा है और बाजार सर्वे में होने वाली गलती या पक्षपात की संभावना भी कम हो जाती है।

अब सर्वे के आंकड़े, सरकारी रिकॉर्ड और डिजिटल माध्यमों से मिलने वाले दाम, तीनों को मिलाकर सीपीआई तैयार की जा रही है। यह पुरानी व्यवस्था की तुलना में बड़ा सुधार है और इससे दामों में होने वाले बदलाव की ज्यादा भरोसेमंद तस्वीर मिलती है।

इतने बड़े स्तर पर सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव करना एक बहुत बड़ा संस्थागत प्रयास होता है। इसमें देश भर के फील्ड दफ्तरों, सांख्यिकी विभागों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ संस्थाओं के बीच तालमेल जरूरी होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मेथडोलॉजी की गहराई से जाँच की जाती है, अलग-अलग विकल्पों को परखा जाता है और अर्थशास्त्रियों व विषय-विशेषज्ञों से सलाह ली जाती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने विशेषज्ञ समूहों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत की है, ताकि किए गए बदलाव साफ, समझने में आसान और वैज्ञानिक रूप से सही हों।

टोकरी, वेटेज और आंकड़ों के स्रोत बदलने के बाद भी सीपीआई का मूल उद्देश्य वही रहता है-यानी एक परिवार की नजर से दामों में होने वाले बदलाव को दिखाना। यह निरंतरता इसलिए जरूरी है, ताकि हम समय के साथ महंगाई की तुलना कर सकें।

सीधे शब्दों में, सीपीआई को बेहतर बनाया जा रहा है, लेकिन उसे रोजमर्रा की ज़िंदगी से जोड़कर ही रखा गया है, ताकि वह नीति बनाने वालों के लिए एक भरोसेमंद मार्गदर्शक बना रहे। सीपीआई हमें यह याद दिलाता है कि हर आंकड़े के पीछे करोड़ों लोगों की असली ज़िंदगी छिपी होती है। आखिरकार, आंकड़े लोगों के लिए ही होते हैं। यह चुपचाप यह दिखाता है कि दामों में बदलाव हमारी रोजमर्रा की ज़िंदगी को कैसे प्रभावित करता है और सरकार की नीतियों को दिशा देता है।

आधार वर्ष में चल रहे संशोधन के जरिये सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि सीपीआई सही, समय के अनुसार अपडेट और लंबे समय तक एक-जैसे तरीके से मापा गया रहे। ताकि सीपीआई सिर्फ एक संख्या न होकर, पूरे देश के लोगों की असली ज़िंदगी की सच्चाई दिखाने वाला आईना बना रहे।

## आज का राशिफल


**मेष:** आज आपका उत्साह ऊँचा रहेगा और मन सकारात्मक विचारों से भरा रहेगा। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों की ओर झुकाव बढ़ सकता है। व्यापार में पहले से अटके मामलों में गति आएगी और रुके हुए काम दोबारा शुरू हो सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*


**वृषभ:** कार्यक्षेत्र में किसी अहम मीटिंग या चर्चा का हिस्सा बन सकते हैं, जो भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगी। विद्यार्थियों को आज पढ़ाई के लिए ठोस योजना बनानी चाहिए। सेहत के लिहाज से नसों या मांसपेशियों में खिंचाव की शिकायत हो सकती है, इसलिए सावधानी रखें। *(सिटी दर्पण)*


**मिथुन:** आज किसी भरोसेमंद व्यक्ति से निराशा मिल सकती है, इसलिए सतर्क रहें। दूसरों की परेशानी का कारण बनने वाले कामों से दूरी बनाए रखें। घरेलू खर्च बढ़ने से मानसिक दबाव महसूस हो सकता है। निजी बातें हर किसी से साझा न करें। *(सिटी दर्पण)*


**कर्क:** आज आप समय से पहले महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर सकते हैं। व्यापार में नए समझौते या डील फाइनल होने की संभावना है। पुराने निर्णयों की आज परीक्षा हो सकती है, इसलिए आत्मविश्वास बनाए रखें। अचानक धन लाभ के योग हैं, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। *(सिटी दर्पण)*


**सिंह:** घर का वातावरण खुशनुमा रहेगा और परिवार का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी, जिससे वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगे। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं। मित्रों की मदद से लाभ मिलने के योग हैं। वैवाहिक जीवन में तालमेल और समझदारी बनी रहेगी। *(सिटी दर्पण)*


**कन्या:** आज आपके लंबे समय से संजोए सपने पूरे होने की दिशा में बढ़ सकते हैं। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे, हालांकि दिन भागदौड़ भरा रह सकता है। उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, जिससे अटके काम पूरे होंगे। संपत्ति खरीदने या निवेश करने के लिए दिन अनुकूल है। *(सिटी दर्पण)*


**तुला:** सामाजिक क्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत होगी और लोग आपके व्यक्तित्व से प्रभावित होंगे। अपने व्यवहार में धैर्य और संतुलन बनाए रखना जरूरी है। कारोबार में हल्की परेशानियाँ आ सकती हैं। मौसम बदलने का असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। *(सिटी दर्पण)*


**वृश्चिक:** कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ तालमेल अच्छा रहेगा, लेकिन किसी पर आँख बंद करके भरोसा न करें। खोई हुई कोई कीमती वस्तु या धन वापस मिलने की संभावना है। आध्यात्मिक या धार्मिक लोगों से संपर्क बढ़ सकता है। दांपत्य जीवन में संवाद की कमी न आने दें। *(सिटी दर्पण)*


**धनु:** नए काम की शुरूआत के लिए समय अनुकूल है। टीमवर्क के जरिए कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को सफलता के संकेत हैं। मनपसंद कामों में समय देने से संतोष मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुख और शांति से भरा रहेगा। *(सिटी दर्पण)*


**मकर:** आज प्रभावशाली लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो भविष्य में लाभकारी साबित होगी। काम के साथ पर्याप्त आराम भी जरूरी है। आपकी बौद्धिक क्षमता आज बेहतर प्रदर्शन करेगी। विद्यार्थी पढ़ाई में एकाग्रता बनाए रखेंगे। जिम्मेदारी वाले कामों में लापरवाही बिल्कुल न करें। *(सिटी दर्पण)*


**कुंभ:** प्रेम संबंधों में दिल की बात कहने का मौका मिलेगा, हालांकि सामने वाला व्यक्ति उतनी गंभीरता न दिखाए। पर्यटन या यात्रा से जुड़े लोगों को थोड़ी परेशानी हो सकती है। समय का सही उपयोग करें और बेकार की गतिविधियों से बचें। बाजार या सामाजिक क्षेत्र में आपकी छवि सकारात्मक रहेगी। *(सिटी दर्पण)*


**मीन:** आज आपका मन बेहद प्रसन्न रहेगा और लोग आपके व्यवहार से प्रभावित होंगे। विरोधी भी आपके आत्मविश्वास के आगे कमजोर पड़ सकते हैं। कई महत्वपूर्ण काम एक साथ पूरे करने में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग और स्नेह आपको मानसिक संतुलन देगा। *(सिटी दर्पण)*

## ऑनलाइन गेमिंग: मनोरंजन से लत और लत से त्रासदी तक


डॉ. सत्यवान सौरभ (हि.स)

गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की सामूहिक आत्महत्या की खबर केवल एक अपराध समाचार नहीं है, बल्कि यह हमारे समय की सबसे भयावह सामाजिक सच्चाइयों में से एक का आईना है। नौवीं मंज़िल से कूदकर जान देने की यह घटना दिल दहला देने वाली है क्योंकि इसके पीछे कोई तात्कालिक झगड़ा, आर्थिक तंगी या पारिवारिक हिंसा नहीं बल्कि एक ऐसी अदृश्य दुनिया है, जो चुपचाप बच्चों के मन-मस्तिष्क पर कब्जा कर रही है- ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया। यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम सचमुच अपने बच्चों की दुनिया को समझ पा रहे हैं या हम उन्हें मोबाइल स्क्रीन के हवाले कर निश्चिंत हो बैठे हैं।

डिजिटल युग में तकनीक जीवन को आसान बनाने का माध्यम बनी है लेकिन उसी तकनीक का अनियंत्रित उपयोग अब समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग, जो कभी मनोरंजन, एकाग्रता और रणनीतिक सोच का साधन मानी जाती थी, आज कई मामलों में बच्चों और किशोरों के लिए मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विनाश का कारण बन रही है। खासकर कोरोना काल के बाद, जब ऑनलाइन शिक्षा और घर में बंद जीवन ने बच्चों को मोबाइल और इंटरनेट के और अधिक करीब कर दिया, तब से यह समस्या और गहराई है।

ऑनलाइन गेम्स का मनोविज्ञान बेहद चालाकी से तैयार किया गया है। गेम डिजाइनर बच्चों की मानसिक संरचना को समझते हैं- इनाम, लेवल, रैंकिंग, वर्चुअल पहचान, और प्रतिस्पर्धा के जरिए उन्हें इस तरह बांधा जाता है कि वे बार-बार उसी दुनिया में लौटें। धीरे-धीरे खेल खेलना एक आदत बनता है, फिर जरूरत, और अंततः लत। यह लत शराब या नशे से कम खतरनाक नहीं होती क्योंकि इसमें शरीर नहीं, दिमाग जकड़ा जाता है। बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है- उसे परिवार बोझ लगने लगता है, पढ़ाई व्यर्थ लगती है और जीवन के छोटे-छोटे सुख फीके पड़ जाते हैं।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस लत के शिकार अधिकतर बच्चे और किशोर होते हैं- वही उम्र, जब व्यक्तित्व निर्माण होता है, भावनात्मक संतुलन विकसित होता है और जीवन को समझने की प्रक्रिया चल रही होती है। इस उम्र में यदि बच्चा आभासी दुनिया में जीने लगे, तो उसकी वास्तविक समस्याओं से जूझने की क्षमता कमजोर हो जाती है। हार-जीत, तनाव, असफलता और रिश्तों की जटिलता से निपटने के बजाय वह ‘एस्केप’ खोजने लगता है–और ऑनलाइन गेम्स उसे यह आसान पलायन उपलब्ध कराते हैं।

गाजियाबाद की घटना में यह तथ्य और अधिक विचलित करता है कि बच्चियाँ दो साल से स्कूल नहीं जा रही थीं और मोबाइल की लत का ज़िक्र सामने आया है। यह सवाल उठता है कि क्या परिवार, स्कूल और समाज- तीनों स्तरों पर निगरानी और संवाद की कमी रही? आज के समय में बच्चों का स्कूल न जाना केवल शैक्षणिक समस्या नहीं बल्कि एक गहरी सामाजिक और मानसिक समस्या का संकेत है। स्कूल सिर्फ पढ़ाई की जगह नहीं होते बल्कि बच्चों के लिए सामाजिक संपर्क, भावनात्मक सहारा और संरचना प्रदान करते हैं। जब बच्चा इससे कट जाता है, तो वह अपने भीतर सिमटने लगता है।

अक्सर अभिभावक यह मान लेते हैं कि बच्चा घर में है, मोबाइल हाथ में है, तो सुरक्षित है। यही सबसे बड़ा भ्रम है। मोबाइल आज केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि एक पूरी दुनिया है–जिसमें अच्छा भी है और बेहद खतरनाक भी। अभिभावकों की व्यस्तता, आर्थिक दबाव और ‘डिजिटल ही भविष्य है’ जैसी सोच ने बच्चों को समय से पहले एक ऐसे संसार में धकेल दिया है, जिसे वे न समझ पाते हैं और न संभाल पाते हैं। माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद का अभाव इस खतरे को और बढ़ा देता है।

यह भी एक सच्चाई है कि भारतीय समाज में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। बच्चे चुप हैं, अकेले हैं, चिड़चिड़े हैं या अपने कमरे में बंद रहते हैं तो इसे ‘उम्र का असर’ कहकर टाल दिया जाता है। आत्मघाती विचार, अवसाद और चिंता जैसे मुद्दों पर बात करना अब भी कई परिवारों में वर्जित माना जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि समय रहते की गई एक संवेदनशील बातचीत कई जिंदगियाँ बचा सकती है।

ऑनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके सामाजिक प्रभाव भी गंभीर हैं। अत्यधिक गेमिंग से बच्चों में हिंसक व्यवहार, आक्रामकता, सहानुभूति की कमी और सामाजिक रिश्तों से दूरी बढ़ती है। आभासी जीत उन्हें वास्तविक परिश्रम से दूर कर देती है। जब वास्तविक जीवन में चुनौतियाँ आती हैं, तो वे टूट जाते हैं, क्योंकि उन्होंने संघर्ष करना सीखा ही नहीं होता। यही टूटन कई बार आत्मघाती कदम का कारण बनती है।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि हर ऑनलाइन गेम या हर तकनीकी का उपयोग बुरा है। समस्या तकनीक में नहीं, उसके अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदार उपयोग में है। यदि बच्चे सीमित समय के लिए उम्र के अनुरूप और अभिभावकों की निगरानी में गेम खेलें तो यह मनोरंजन और सीख का साधन भी हो सकता है। लेकिन जब गेमिंग जीवन का केंद्र बन जाए, तो खतरे की घंटी बज जानी चाहिए।

समाधान के स्तर पर हमें बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहली जिम्मेदारी परिवार की है। अभिभावकों को बच्चों के साथ समय बिताना होगा, उनके डिजिटल व्यवहार को समझना होगा और डर या दंड की बजाय संवाद का रास्ता अपनाना होगा। मोबाइल देना आसान है, लेकिन बच्चे का मन पढ़ना कठिन–और यही कठिन काम आज सबसे जरूरी है। बच्चों के लिए स्पष्ट डिजिटल नियम, स्क्रीन टाइम की सीमा और वैकल्पिक गतिविधियाँ–जैसे खेल, किताबें, कला और सामाजिक मेलजोल–अनिवार्य किए जाने चाहिए।

स्कूलों की भूमिका भी बेहद अहम है। केवल पाठ्यक्रम पूरा करना पर्याप्त नहीं है। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, और ऑनलाइन खतरों पर नियमित कक्षाएँ और परामर्श सत्र होने चाहिए। शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि वे बच्चों के व्यवहार में आने वाले सूक्ष्म बदलावों को पहचान सकें। स्कूल और अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद आज की आवश्यकता है।

सरकार और नीति-निमार्ताओं की जिम्मेदारी भी इससे कम नहीं है। बच्चों और किशोरों के लिए ऑनलाइन गेमिंग के स्पष्ट नियम, आयु-आधारित प्रतिबंध, चेतावनी संदेश और लत पैदा करने वाले डिजाइन पर नियंत्रण आवश्यक है। कई देशों में ‘डिजिटल वेलबीइंग’ को नीति का हिस्सा बनाया गया है– भारत को भी इस दिशा में गंभीर कदम उठाने होंगे। तकनीकी कंपनियाँ केवल मुनाफे के बारे में न सोचें, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाएँ।

मीडिया और समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। सनसनीखेज खबरों से आगे बढ़कर, हमें मूल कारणों पर चर्चा करनी होगी। ऑनलाइन गेमिंग को महज एक ट्रेंड या समय काटने का साधन बताकर उसके खतरों को हल्के में लेना अब संभव नहीं है। यह बच्चों के भविष्य और समाज के मानसिक स्वास्थ्य का सवाल है।

गाजियाबाद की तीन बहनों की मौत हमें एक कठोर सच्चाई से रूबरू कराती है कि अगर अब भी हम नहीं चेते तो ऐसी त्रासदियाँ दोहराई जाएँगी। यह समय दोषारोपण का नहीं बल्कि जिम्मेदारी स्वीकार करने का है। परिवार, स्कूल, समाज, सरकार और तकनीकी कंपनियाँ- सभी को मिलकर बच्चों के लिए एक सुरक्षित, संतुलित और संवेदनशील डिजिटल वातावरण बनाना होगा।

अंततः, हमें यह याद रखना होगा कि कोई भी गेम, कोई भी आभासी जीत, किसी बच्चे की ज़िंदगी से बड़ी नहीं हो सकती। मनोरंजन जीवन का हिस्सा होना चाहिए, जीवन का विकल्प नहीं। बच्चों को मोबाइल से नहीं, रिश्तों से जोड़ना होगा; स्क्रीन से नहीं, संवेदनाओं से जोड़ना होगा। क्योंकि एक छोटी-सी अनदेखी, किसी परिवार के लिए जीवनभर का शून्य बन सकती है और यह शून्य किसी भी तकनीकी प्रगति से नहीं भरा जा सकता।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# श्री गुरु रविदास महाराज जी के उपदेश के अनुसार समानता वाले समाज की रचना के लिए पंजाब सरकार प्रतिबद्ध: भगवंत मान

## श्री गुरु रविदास जी की बाणी मानवता के लिए प्रकाश स्तंभ है और सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने का मार्ग दिखाती है: मान

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- 6 फरवरी को श्री गुरु रविदास महाराज जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर श्री खुरालगढ़ साहिब में होने वाले राज्य स्तरीय समागम में पंजाब की पूरी कैबिनेट संगत के साथ उपस्थित होगी - मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा संगत से राज्य स्तरीय प्रकाश पर्व समागमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील
- श्री खुरालगढ़ साहिब में 148 करोड़ रुपये की विश्व स्तरीय यादगार श्री गुरु रविदास जी को पंजाब सरकार की विनम्र श्रद्धांजलि - मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

मुख्यमंत्री ने लोगों से समाज में प्रचलित विभिन्न सामाजिक बुराइयों को मिटाने के लिए श्री गुरु रविदास जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी की बाणी समस्त मानवता के लिए प्रकाश-स्तंभ है और उन्होंने पूरी दुनिया को मानवता का रास्ता दिखाया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस दिव्य बाणी से समाज को विभिन्न समस्याओं से मुक्त किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही खुरालगढ़ में लगभग 148 करोड़ रुपये की लागत से विश्व स्तरीय यादगार बना चुकी है, जो राज्य सरकार द्वारा श्री गुरु रविदास जी को विनम्र श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि यह यादगार सुविधाओं से लैस इमारत, मल्टीलेवल पार्किंग, मीनार-ए-बेगमपुरा, संगत हॉल, अत्याधुनिक ऑडिटोरियम और अन्य सुविधाओं से सुसज्जित है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी ने समस्त मानवता की भलाई, समाज के सभी वर्गों की समानता का संदेश दिया और इस प्रकार समानतावादी मूल्यों पर आधारित समाज की रचना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी ने ऐसे आदर्श समाज का संकल्प दिया, जहाँ किसी को भी किसी प्रकार का कोई दुख या तकलीफ न झेलनी पड़े। भगवंत सिंह मान ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी का महान जीवन, दर्शन और शिक्षाएँ मानवता का मार्गदर्शन करती रहती हैं। उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी समाज के गरीब और पिछड़े वर्गों के रूहानी रहबर और मसीहा हैं, जिन्होंने हमें नेक और सदाचारी जीवन जीने की शिक्षा दी।

भगवंत सिंह मान सरकार ने श्री गुरु रविदास जी महाराज के 649वें प्रकाश पर्व को पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं, साथ ही 2027 में ऐतिहासिक 650वें प्रकाश पर्व के लिए साल भर चलने वाली राज्य स्तरीय तैयारियाँ शुरू की हैं। श्री खुरालगढ़ साहिब में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय समागम का आयोजन किया गया है जिसमें संतों, आध्यात्मिक नेताओं, कैबिनेट मंत्रियों, डिप्टी स्पीकर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की बड़ी संख्या में भागीदारी होगी तथा 6 फरवरी को श्री अखंड पाठ साहिब के भोग के उपरांत समापन होगा।

भगवंत मान सरकार ने संगत की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएँ और निर्विघ्न प्रबंध सुनिश्चित किए हैं। साथ ही श्री खुरालगढ़ साहिब से पंजाब के हर गाँव तक श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाओं को ले जाने वाले कार्यक्रम शुरू करके सिलसिलेवार समागम आरंभ किए हैं। गुरु जी के महान जीवन, दर्शन और समानता, भाईचारे तथा मानवता के प्रति शाश्वत संदेश के प्रसार के लिए साल भर शैक्षिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहलकदमियां की जा रही हैं।

# पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा मतदाता सूची प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिंदिता मित्रा ने कल शाम राज्य के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों-सह-डिप्टी कमिश्नरों के साथ बैठक कर मतदाता सूचियों के प्रबंधन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक के दौरान पंजाब की मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता मैपिंग गतिविधियों की समीक्षा करते हुए निर्वाचन जानकारी के योजनाबद्ध कवरेज, शुद्धता और समय पर अपडेट सुनिश्चित करने हेतु जिला-वार प्रगति की भी समीक्षा की।

बैठक के अवसर पर उन्होंने स्पष्ट रूप से पहचान में न आने वाली फोटो और गलत प्रविष्टियों से संबंधित मामलों के समाधान पर विशेष जोर देते हुए निर्वाचन फॉर्मों के संग्रह और निपटारे की स्थिति की भी समीक्षा की। इस दौरान जिला अधिकारियों को निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार ऐसे मामलों का तुरंत निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसके साथ ही ई.आर.ओ. नेट पर आवेदनों की लंबित स्थिति (पेंडेंसी) पर भी विस्तृत चर्चा की गई और मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूचियों की एकरूपता एवं शुद्धता बनाए रखने के लिए निरंतर निगरानी तथा आवेदनों के शीघ्र निपटारे की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस दौरान मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ईसीआई नेट पर ह्लबुक ए कॉलह्ल सुविधा के बारे में जागरूकता फैलाने के महत्व पर भी जोर दिया, जिसके तहत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) पारदर्शी एवं समयबद्ध शिकायत निवारण के लिए मतदाताओं को कॉल-बैक सहायता प्रदान करते हैं।

इसके अतिरिक्त डेमोग्राफिकल सिमिलर एंट्रीज (डीएसई) से संबंधित मुद्दों की भी समीक्षा की गई तथा जिलों को डुप्लीकेट प्रविष्टियों से बचने और निर्वाचन रिकॉर्ड की विशिष्टता सुनिश्चित करने हेतु पूरी सावधानी से सत्यापन करने के निर्देश भी दिए गए।

# भगवंत मान सरकार ने तकनीकी शिक्षा में अनाथ और नेत्रहीन युवाओं के लिए वित्तीय बाधाओं को किया दूर

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

- सरकार ने कोपा ट्रेड में अनाथ और नेत्रहीन विद्यार्थियों की आईटीआई फीस की माफः चीमा
- 9 सरकारी आई.टी.आई. में कोपा कोर्स के लिए 100 फीसदी फीस माफी को दी मंजूरी

समाज के कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक बड़ा जन-हितैषी निर्णय लेते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आई.) में कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (कोपा-वी.आई.) ट्रेड में दाखिला लेने वाले अनाथ एवं नेत्रहीन विद्यार्थियों की प्रशिक्षण फीस माफ करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

इस संबंध में फाइल को मंजूरी दिए जाने के बाद इस निर्णय की पुष्टि करते हुए पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि यह कदम भगवंत मान सरकार की उस दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि आर्थिक तंगी कभी भी जरूरतमंद विद्यार्थियों की व्यावसायिक प्रगति में बाधा नहीं बननी चाहिए। वित्त मंत्री ने बताया कि अनाथ आश्रमों और नेत्रहीन बच्चों के लिए स्थापित स्कूलों से आने वाले विद्यार्थी अब ह्यकोपा-वी.आई.ह्ल ट्रेड के लिए 100 फीसदी फीस माफी के पात्र होंगे। यह लाभ वर्तमान समय में यह कोर्स चला रहे 9 सरकारी संस्थानों में लागू किया जाएगा। इस निर्णय के पीछे के तर्क की व्याख्या करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि हालांकि फीस माफी से राजस्व पर प्रभाव पड़ेगा, लेकिन सरकार इसे वित्तीय बोझ के बजाय मानव पूंजी में एक महत्वपूर्ण निवेश के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव पर 29 जनवरी 2026 को हुई बजट बैठकों के दौरान विस्तार से चर्चा की गई थी, जहां संबंधित प्रशासनिक विभाग की सिफारिशों की जांच-पड़ताल के बाद यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मंजूरी दी गई कि तकनीकी शिक्षा समाज के हर वर्ग तक सुलभ बनी रहे।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आगे कहा कि उनकी सरकार पंजाब को कौशल विकास और जीवी डिजिटल साक्षरता में अग्रणी हो बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि ह्यकोपा-वी.आई.ह्ल ट्रेड में हमारे विशेष जरूरतों वाले और अनाथ युवाओं के लिए वित्तीय बोझ हटाकर पंजाब सरकार उन्हें तकनीकी दक्षता प्राप्त करने तथा तेजी से बढ़ रहे आई.टी. क्षेत्र में सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने के लिए समान अवसर प्रदान कर रही है।

## सरकारी स्कूलों ने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए मेडिटेशन को अपनाया: हरजोत बैंस

चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि मोहाली जिले के सरकारी अपर-प्राइमरी स्कूलों ने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए एक बड़ी और नवीन पहल करते हुए ह्यरोजाना मेडिटेशन प्रोग्रामह्ल की शुरूआत की है।

श्री हरजोत सिंह बैंस और आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के प्रभारी श्री मनीष सिसोदिया ने आज मोहाली में एक वर्कशॉप के दौरान स्कूल प्रमुखों और प्रिंसिपलों के साथ विचार-विमर्श किया। शिक्षा मंत्री ने छात्रों की तंदरुस्ती बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किए गए ह्यरोजाना मेडिटेशन प्रोग्रामह्ल के क्रियान्वयन और प्रभावों के बारे में वर्कशॉप में मौजूद लोगों को अवगत करवाया। श्री बैंस ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में लागू की गई इस पहल के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्कूल प्रमुखों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छात्र अब शांत, एकाग्र और भावनात्मक रूप से मजबूत हो रहे हैं। श्री बैंस ने दोहराया कि राज्य सरकार की योजना है कि ऐसी सकारात्मक पहलें पूरे सूबे में लागू की जाएं। न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (एन.आई.एल.पी.) जैसे शैक्षिक सुधारों पर ध्यान केंद्रित करते हुए श्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि यह पायलट प्रोजेक्ट 19 जनवरी, 2026 को शुरू किया गया था। इसके तहत रोजाना अभ्यास में सुबह की सभा के बाद 30 मिनट का मेडिटेशन सत्र करवाया जाता है। एकरूपता और निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए जिले के स्कूलों में साढ़े इक्कीस (21ः) मिनट का ध्यान मॉड्यूल प्रसारित और लागू किया गया है। शिक्षकों से बातचीत करते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा, सच्ची शिक्षा केवल शैक्षणिक ज्ञान के बारे में नहीं है, बल्कि लचीले, भावनात्मक रूप से दृढ़ और एकाग्र व्यक्तियों पर केंद्रित होती है।

# घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिए जालंधर में सांझ राहत केंद्र का उद्घाटन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/जालंधर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता के अनुसार पीड़ित-केंद्रित पुलिसिंग और महिलाओं के लिए सहायता व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब पुलिस ने जालंधर के सिविल अस्पताल में घरेलू हिंसा की पीड़ितों के लिए एक समर्पित सहायता केंद्र ह्यसांझ राहत केंद्रह्ल की स्थापना की है।

आज यहां केंद्र का उद्घाटन करते हुए कम्युनिटी अफेयर्स डिवीजन एवं महिला मामलों की स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) गुरप्रीत कौर दिओ ने कहा कि यह केंद्र सक्रिय सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से परेशानियों का सामना कर रही महिलाओं को समय पर मानसिक-सामाजिक और कानूनी सहायता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर स्पेशल डीजीपी के साथ पुलिस कमिश्नर (सीपी) जालंधर धनप्रीत कौर भी मौजूद थीं। यह केंद्र कमिश्नरेट पुलिस, जालंधर के नेतृत्व में एक सहयोगी प्रयास है, जिसे पीड़ितों के लिए आसान पहुंच और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए अस्पताल परिसर में स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य जल्द से जल्द समस्याओं का पता लगाकर तुरंत परामर्श, कानूनी मार्गदर्शन और पुनर्वास संबंधी सहायता सहित एकीकृत सहायता प्रदान करना है। स्पेशल डीजीपी गुरप्रीत कौर दिओ ने घरेलू हिंसा के समाधान के लिए त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और मजबूत अंतर-विभागीय समन्वय की विशेष आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सांझ राहत केंद्र पीड़ितों को आवश्यक सहायता जैसे कानूनी मदद, पेशेवर परामर्श, आश्रय गृह या सरकारी कल्याण योजनाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि यह कदम महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और सहायक वातावरण सृजन के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि अस्पताल में आने वाली पीड़ितों की सहायता के लिए इन केंद्रों में मनोविज्ञान और समाज कार्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित सलाहकार तैनात किए जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह केंद्र पुलिस स्टेशनों और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेगा ताकि तेज और प्रभावी निवारण सुनिश्चित किया जा सके।

सीपी धनप्रीत कौर ने महिलाओं की सुरक्षा और सामुदायिक-केंद्रित पुलिसिंग पर पुलिस विभाग द्वारा दिए जा रहे विशेष ध्यान के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र की स्थापना हमारी सक्रिय और पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाती है।

इस उद्घाटन समारोह में एडीसीपी-वकआकर्षी जैन, सिविल सर्जन डॉ. राजेश गर्ग, सीजेएम राहुल कुमार आजाद और सखी वन स्टॉप सेंटर के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

## संक्षिप्त-समाचार

### टिकट चेकिंग स्टाफ ने नाबालिग बच्चे को सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुँचाने की जिम्मेदारी निभाई

**जैतो।** उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा वीरवार को जारी प्रैस विज्ञप्ति में बताया कि आज 5 फरवरी 2026 को ट्रेन संख्या 12138 (फिरोजपुर छावनी-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल एक्सप्रेस) में ड्यूटी पर तैनात टीटीआई श्री विशाल ने बी-3 कोच में टिकट चेकिंग के दौरान लगभग 7-8 वर्ष के एक अकेले बच्चे को देखा। बच्चे ने बताया कि वह बठिंडा रेलवे स्टेशन पर गलती से ट्रेन में चढ़ गया। श्री विशाल ने अत्यंत जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए तत्काल आरपीएफ नियंत्रण कक्ष, दिल्ली से संपर्क किया तथा बच्चे को स्वचैडिंग टीम के हेड कांस्टेबल श्री जरनैल सिंह व उनके अन्य दो साथियों की मदद से जाखल रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ स्टाफ को सौंप दिया। आरपीएफ द्वारा आवश्यक कार्रवाई करते हुए बच्चे को सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुँचाने की व्यवस्था की गई। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री परमदीप सैनी ने बताया कि टीटीई श्री विशाल की त्वरित कार्रवाई और सतर्कता के परिणामस्वरूप एक छोटा बच्चा सुरक्षित अपने परिवार तक पहुँच सका। अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए टिकट चेकिंग स्टाफ ने अत्यंत तत्परता और जिम्मेदारी का परिचय दिया जो रेलवे की छवि को गौरवान्वित करती है साथ ही यह समस्त रेलकर्मियों के लिए अनुकरणीय उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।

### अंजू मालपानी माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष चुनी गई

**जैतो।** माहेश्वरी महिला संगठन की चुनावी मीटिंग सविता होलानी की अध्यक्षता में हुई जिसमें पूनम राठी प्रादेशिक प्रवेक्षक की उपस्तिथि में 2026-2028 के लिए चुनाव खुशनुमा माहौल में हुए जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी सदस्य निर्वाचित घोषित किए गए ' अंजू मालपानी अध्यक्ष ,सविता होलानी निवर्तमान अध्यक्ष,पूनम राठी सरंक्षक,संगीता काबरा उपाध्यक्ष,सुनीता लाखोटिया उपाध्यक्ष,नीलम होलानी सचिव,रिम्पी कोठारी सह सचिव,प्रीती डागा कोषाध्यक्ष,आरती कोठारी सह कोषाध्यक्ष,संगठन मंत्री ज्योति होलानी व मधु मंत्रीसांस्कृतिक मंत्री चुनी गई।रूपल डागा, पूजा लाखोटिया व शालू काबरा सविता होलानी व पूनम राठी ने सभी निर्वाचित सदस्यों को बधाई दी और विश्वाश दिलाया के नई टीम को वो अपना पूरा सहयोग देंगी ' अपने कार्यकाल में मिले सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया ' इस दौरान ही नवनिर्वाचित अध्यक्ष अंजू मालपानी ने कहा कि सभी सदस्यों ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है वह उस पर खरा उतरेंगी और माहेश्वरी महिला संगठन और माहेश्वरी समाज के लिए अधिक से अधिक काम करेंगी। अंजू मालपानी ने कहा कि वह सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करती हैं कि उन्हें सेवा का करने का मौका दिया है।

### गैंगस्टरां ते वार का 17वाँ दिन: पंजाब पुलिस ने 681 स्थानों पर की छापेमारी; 274 गिरफ्तार

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निदेर्शों के तहत शुरू की गई निर्णायक ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल मुहिम के 17वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के साथियों से जुड़े पहचाने गए और मैप किए गए ठिकानों पर 681 छापेमारियाँ कीं। जानकारी के अनुसार, ह्यगैंगस्टरां ते वारह्ल - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ी गई एक निर्णायक जंग 20 जनवरी, 2026 को डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। इसके तहत सभी जिलों की पुलिस टीमों द्वारा एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से राज्य भर में विशेष कार्रवाइयाँ की जा रही हैं। इस मुहिम के 17वें दिन, पुलिस टीमों ने 274 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 11 जिंदा कारतूस सहित चार हथियार बरामद किए।

## डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण रौड़ी, विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल, चेयरमैन जसवीर सिंह गढ़ी ने गुरु चरणों में नवाया शीश

# श्री गुरु रविदास महाराज जी 649वें प्रकाश पर्व के मौके पर प्रदेश स्तरीय समागम: दूसरे दिन श्रद्धा, सेवा और समर्पण का अद्भुत संगम

सिटी दर्पण संवाददाता
गढ़शंकर/होशियारपुर

श्री गुरु रविदास महाराज जी के 649वें पावन प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में श्री खुरालगढ़ साहिब में आयोजित प्रदेश स्तरीय समागम का दूसरा दिन अत्यंत श्रद्धा, धार्मिक मयार्दा और आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्री गुरु रविदास महाराज जी मेमोरियल, श्री खुरालगढ़ साहिब में रखे गए श्री अखंड साहिब जी के पावन पाठ में बड़ी संख्या में संगतों ने गुरु चरणों में हाजिरी लगाई और समस्त मानवता के कल्याण, सुख-समृद्धि तथा भाईचारे की कामना की। यह भव्य समागम 6 फरवरी तक चलेगा, जिस दिन श्री अखंड साहिब जी के भोग डाले जाएंगे। समागम के अंतिम दिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान भी गुरु चरणों में हाजिरी लगाकर प्रदेश की तरक्की, शांति और सौहार्द की प्रार्थना करेंगे। समागम के दौरान संत समाज की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और अधिक आध्यात्मिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इस अवसर पर संत बाबा इंदर दास जी (डेरा सत साहिब, मेघोवाल गंजियां), संत महिंदर दास जी, संत प्रेम दास जी तथा संत संजीव दास जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। संतों ने श्री गुरु रविदास महाराज जी की शिक्षाओं—समता, प्रेम, करुणा और मानवता को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। इस अवसर पर पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण रौड़ी, विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल तथा पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन डॉ. जसवीर सिंह गढ़ी ने श्रद्धापूर्वक गुरु चरणों में शीश नवाया और संगतों के साथ अरदास में शामिल होकर

प्रदेश व देश की खुशहाली की कामना की। डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण रौड़ी ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी का जीवन समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाता है। उन्होंने कहा कि गुरु जी की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं और हमें आपसी सद्भाव, सहिष्णुता तथा सेवा भाव के साथ समाज के निर्माण में योगदान देना चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा गुरु रविदास जी की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी का संदेश जाति, भेदभाव और ऊंच-नीच से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करने का है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में श्री गुरु रविदास महाराज जी का 650वां प्रकाश पर्व ऐतिहासिक और भव्य स्तर पर मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने 649वें प्रकाश पर्व के अवसर पर 4 फरवरी से पूरे वर्ष चलने वाले समागमों की श्रृंखला आरंभ की है।

उन्होंने कहा कि ऐसे समागम समाज को एकजुट करने, सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत करने और युवा पीढ़ी को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

चेयरमैन एससी कमिशन डॉ. जसवीर सिंह गढ़ी ने कहा कि श्री गुरु रविदास महाराज जी ने अपने विचारों और कर्मों से समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई और समानता आधारित समाज की नींव रखी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुरु जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर सामाजिक न्याय, समावेशन और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इस दौरान डीआईजी जालंधर रेंज नवीन सिंगला, डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन, एसएसपी संदीप मलिक, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (विकास) निकास कुमार, एसडीएम मुकेरियां ओएशी मंडल, एसडीएम गढ़शंकर संजीव कुमार, एसडीएम दसूहा कंवलजीत सिंह, एसडीएम टांडा लवप्रीत सिंह, सहायक कमिश्नर परमप्रीत सिंह के अलावा अन्य सिविल व पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

# कर्नाटक सड़क हादसे में 3 महिलाओं की मौत, 14 से अधिक लोग घायल

## क्रूजर और कैंटर लॉरी के बीच आमने-सामने की टक्कर

एजेंसी (हि.स.)
गदग (कर्नाटक)



फोटोः हि.स.

कर्नाटक के गदग जिले के रोण तालुका अंतर्गत जिगलूर क्रॉस के पास वीरवार तड़के एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन महिला दिहाड़ी मजदूरों की मौके पर मौत हो गई, जबकि 14 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा क्रूजर वाहन और एक कैंटर लॉरी के बीच आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में मरियमबी हुनगुंद (55), अन्नपूर्णा चंगली (45) और सुजाता होसमनी (30) की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के समय क्रूजर वाहन में सवार 15 से अधिक दिहाड़ी मजदूरों को सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। घायलों में नागम्मा जाधव, शशिकला मराठे, लक्ष्मव्वा हालकेरी, लक्ष्मी नागप्पा हालकेरी सहित 14 से अधिक लोग शामिल हैं।

सभी घायल गजेंद्रगढ़ के शिवाजी नगर इलाके के निवासी हैं और दिहाड़ी मजदूरी के लिए गजेंद्रगढ़ से रोण की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रोण से गजेंद्रगढ़ की ओर जा रही कैंटर लॉरी ने जिगलूर क्रॉस के पास क्रूजर को टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलते ही रोण पुलिस थाना कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। गदग जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोहन जगदीश ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। सभी घायलों को तत्काल नजदीकी सरकारी और निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। एसपी रोहन जगदीश ने बताया कि इस दुर्घटना में तीन दिहाड़ी मजदूरों की मौके पर ही मौत हुई है और 14 से अधिक लोग घायल हुए हैं। आशंका है कि ड्राइवर को झपकी आने के कारण यह हादसा हुआ है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। इस संबंध में रोण पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद गजेंद्रगढ़ के शिवाजी नगर क्षेत्र में शोक की लहर है।

## ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

**नई दिल्ली।** ग्लोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं, एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। अमेरिका में बड़ी टेक और चिप कंपनियों में चौतरफा बिकवाली होने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 6,885.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 343.66 अंक यानी 1.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,911.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.11 प्रतिशत लुढ़क कर 49,448.24 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,402.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 82.66 अंक यानी एक प्रतिशत उछल कर 8,262.16 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। दूसरी ओर, डीएएक्स इंडेक्स 177.75 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,603.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

# चुनाव नजदीक आते ही ओली पर दबाव बढ़ा रणनीतिक गठबंधनों की चर्चा फिर तेज

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू


फोटोः हि.स.

अगले माह 5 मार्च को होने वाले चुनाव में अब समय कम रह गया है जिससे नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीएन-यूएमएल) पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के बाद पैदा हुआ राजनीतिक असर अब चुनावी परिदृश्य को स्पष्ट रूप से प्रभावित करने लगा है। पिछले साल 8 और 9 सितंबर को हुए जेन-जी प्रदर्शनों के दौरान हुई मानवीय और भौतिक क्षति को लेकर यूएमएल लगातार आलोचना के घेरे में है। उस समय पार्टी अध्यक्ष और तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार का नेतृत्व कर रहे थे। आलोचकों का आरोप है कि ओली ने हिंसा की जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की और यही आरोप पार्टी का पीछा करता रहा है। हाल ही में ओली ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से जान गंवाने वाले 19 लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की लेकिन इससे जनआक्रोश शांत नहीं हो सका।

ज्यादातर प्रमुख दलों के स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के फैसले के बीच यूएमएल की चुनौतियां और बढ़ गई हैं। काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर बालेन शाह का झापा-5 से चुनाव लड़ने का निर्णय ओली पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है, क्योंकि यह क्षेत्र परंपरागत रूप से उनका गढ़ माना जाता रहा है। वहीं, यूएमएल के महासचिव शंकर पोखरेल भी दांग-2 में कड़े मुकाबले का सामना कर रहे हैं, जिससे पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर खतरे की आशंका बढ़ गई है।

इसी पृष्ठभूमि में ओली ने कुछ चुनिंदा निर्वाचन क्षेत्रों में सीमित चुनावी सहयोग की संभावनाएं तलाशनी शुरू कर दी हैं। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष गगन थापा द्वारा किसी भी प्रकार के गठबंधन को स्पष्ट रूप से नकारे जाने के बाद, ओली कथित तौर पर नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) के साथ समन्वय की संभावनाएं टटोल रहे हैं। उधर, एनसीपी के समन्वयक पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' पर भी राजनीतिक दबाव दिखने लगा है। उन्होंने हाल ही में एक भावुक वीडियो संदेश जारी कर संकेत दिया कि वे प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में नहीं हैं और युवा पीढ़ी को आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। यूएमएल-एनसीपी संभावित समन्वय की अटकलों को तब और बल मिला जब अंतरिम सरकार ने देशभर में 80 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात कर यह स्पष्ट कर दिया कि 5 मार्च के चुनाव निर्धारित समय पर ही होंगे। ऐसे में ओली और प्रचंड दोनों ही अपने-अपने राजनीतिक भविष्य को सुरक्षित करने की कोशिश में जुटे नजर आ रहे हैं। ओली झापा में अपनी स्थिति मजबूत करना चाहते हैं, वहीं प्रचंड रुकुम पूर्व में अपेक्षाकृत सुरक्षित महसूस करने के बावजूद देशव्यापी बेहतर नतीजों के रास्ते तलाश रहे हैं।

## चेन्नई-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस की तीन बोगियां पटरी से उतरीं, कोई हताहत नहीं

एजेंसी (हि.स.)
भुवनेश्वर


फोटोः हि.स.

ओडिशा के जाजपुर जिले में जखपुरा रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार सुबह चेन्नईझन्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस की तीन बोगियां पटरी से उतर गईं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, हादसे के समय ट्रेन की गति काफी धीमी थी। ट्रेन संख्या 22611, जो चेन्नई सेंट्रल (एमएएस) से न्यू जलपाईगुड़ी (एनजेपी) के बीच संचालित होती है, जखपुरा यार्ड सीमा के भीतर दुर्घटनाग्रस्त हुई। रेलवे सूत्रों ने बताया कि एक एसी कोच और दो सामान्य कोच पटरी से उतरे।

इस घटना में किसी भी यात्री के हताहत या घायल होने की कोई सूचना नहीं है। साथ ही, इस खंड में यात्री ट्रेनों का परिचालन प्रभावित नहीं हुआ। रेलवे सूत्रों ने बताया कि प्रभावित बोगियों को अलग किया जा रहा है और उनमें सवार यात्रियों को वैकल्पिक रूप से समायोजित किया गया है। यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बोगियों की व्यवस्था कर उन्हें आवश्यकता अनुसार ट्रेन में जोड़ा जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही भुवनेश्वर और खुर्दा रोड से दुर्घटना राहत ट्रेन (एआरटी) को सुबह 08:53 बजे रवाना किया गया। इसके अलावा खुर्दा रोड से दुर्घटना राहत चिकित्सा उपकरण (एआरएमई) भी घटनास्थल के लिए भेजे गए। भद्रक से एक बचाव दल भी मौके के लिए रवाना हुआ।वरिष्ठ रेलवे अधिकारी घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंच गए और बहाली एवं सुरक्षा संबंधी कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। हादसे के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। रेलवे अधिकारियों द्वारा विस्तृत जांच कर दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जाएगा।

## पुलिस जांच में खुलासा-फिल्म जगत के पांच नामी शख्स अंडरवर्ल्ड के निशाने पर

**मुंबई।** फिल्म निमार्ता रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग मामले की छानबीन में पता चला है कि पांच नामी फिल्मी हस्तियां भी अंडरवर्ल्ड के निशाने पर हैं। इन पांचों को रंगदारी के लिए धमकी दिए जाने की जानकारी मुंबई पुलिस को मिली है, लेकिन इनमें से किसी ने भी अब तक पुलिस संपर्क नहीं किया है। इससे पुलिस स्तब्ध हैं, हालांकि पुलिस इस संबंध में सतर्क होकर आवश्यक कार्रवाई कर रही है। फिल्म निमार्ता रोहित के आवास पर हुई फायरिंग मामले की छानबीन कर रहे अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि फिल्म निमार्ता रोहित शेट्टी के आवास पर रविवार को आधी रात में अज्ञात आरोपितों ने पर ६ राउंड फायरिंग की थी। इस मामले में पुलिस ने पुणे से ४ लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले की जांच के दौरान पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है कि सिर्फ रोहित शेट्टी ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के ५ बड़े स्टार्स गैंगस्टर्स के निशाने पर हैं। पुलिस की जांच में पता चला है कि फरार गैंगस्टर शुभम लोणकर इस फायरिंग की जिम्मेदारी लेते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली थी। सोशल मीडिया पर लोणकर ने यह भी दावा किया है कि रोहित सहित पांच फिल्मी हस्तियों को रंगदारी मांगने के फोन काल आए हैं।

# सर्राफा बाजार में तेजी जारी, चांदी ने लगाई जोरदार छलांग

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली


फोटोः हि.स.

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। इसी तरह चांदी भी आज मजबूती के साथ कारोबार कर रही है। कीमत में तेजी आने के कारण सोना आज 440 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 480 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं, चांदी की कीमत में आज 20,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की जोरदार तेजी दर्ज की गई है। सोने की कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,54,420 रुपये से लेकर 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,550 रुपये से लेकर 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में जबरदस्त उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज तीन लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,570 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## संक्षिप्त-समाचार

### केंद्र सरकार ने औषधीय पौधों के लिए मूल प्रमाणपत्र जारी करने को डिजिटल पोर्टल लॉन्च किया

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने उगाए गए औषधीय पौधों के लिए मूल प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया आसान बनाते हुए डिजिटल पोर्टल शुरू किया है। यह पोर्टल राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) द्वारा विकसित किया गया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, पोर्टल लोगों को ऑनलाइन माध्यम से मूल प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन) प्राप्त करने की सुविधा देगा, जिससे उन्हें एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग (एबीएस) से संबंधित छूट मिल सकेगी। यह एक सिंगल-विंडो, एंड-टू-एंड ऑनलाइन सिस्टम है, जिसके माध्यम से आवेदन से लेकर प्रमाणपत्र जारी होने तक की पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी। संशोधित नियमों के तहत उगाए गए औषधीय पौधों के लिए डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से मूल प्रमाणपत्र जारी करने का प्रावधान किया गया है। इससे आयुष क्षेत्र, बीज उद्योग और शोध संस्थानों सहित विभिन्न हितधारकों को लाभ मिलेगा और प्रक्रियाएं अधिक पारदर्शी व सरल होंगी। उल्लेखनीय है कि जैव विविधता (संशोधन) अधिनियम, 2023 में संसद ने पारित किया था। लोकसभा ने इस विधेयक को 25 जुलाई 2023 और राज्यसभा ने 1 अगस्त 2023 को मंजूरी दी थी। इसके बाद मंत्रालय ने वर्ष 2024 और 2025 में जैव विविधता नियमों को अधिसूचित किया।

### नेपाल में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन शाह के संपर्क कार्यालय में तोड़फोड़

**काठमांडू।** राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के वरिष्ठ नेता तथा प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन शाह के निर्वाचन क्षेत्र झापा 5 स्थित चुनावी संपर्क कार्यालय में तोड़फोड़ की गई है। पुलिस के अनुसार, झापा के कमल गांवपालिका स्थित बालेन शाह के चुनावी संपर्क कार्यालय वाले मकान की खिड़की का शीशा टूटा हुआ पाया गया है। पुलिस मौके पर मामले की जांच कर रही है। जिला पुलिस कार्यालय झापा की एसपी बसुंधरा खड्का ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा, खिड़की का शीशा टूटने की खबर मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। झापा निर्वाचन क्षेत्र संख्या 5 से रास्वपा के वरिष्ठ नेता बालेन शाह उम्मीदवार हैं। इसी क्षेत्र से नेकपा एमाले के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली भी चुनाव मैदान में हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इस क्षेत्र को अत्यंत संवेदनशील माना जा रहा है।

### भारी मात्रा में गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

**सिलीगुड़ी।** सिलीगुड़ी मेट्रोपॉलिटन पुलिस के प्रधान नगर थाने की पुलिस ने बुधवार देर रात अभियान चलाकर 22 किलो गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक का नाम नवीन कुमार है। वह बिहार के वैशाली जिले का निवासी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर प्रधान नगर थाने की पुलिस ने सिलीगुड़ी जंक्शन इलाके में अभियान चलाया। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में खड़े नवीन कुमार को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद तीन बैग से कुल 22 किलो गांजा बरामद किया गया। जांच में सामने आया है कि गांजा की यह खेप कुचबिहार से सिलीगुड़ी लाई गई थी, जिसे आरोपित बिहार ले जाने की फिराक में था। वह जंक्शन पर बिहार जाने वाली बस का इंतजार कर रहा था, तभी पुलिस ने उसे धर दबोचा। प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि नवीन कुमार 12वीं कक्षा का छात्र है और कुछ पैसों के लालच में डिलीवरी मैन बनकर गांजा तस्करी में शामिल हुआ था। बरामद गांजा की बाजार कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। गुरुवार को आरोपित को सिलीगुड़ी अदालत में पेश किया जाएगा।

### ट्रक से 27 मवेशी बरामद, एक गिरफ्तार

**कामरूप (असम)।** कामरूप (ग्रामीण) जिले के हाजो इलाके से पुलिस ने एक ट्रक से 27 मवेशियों को बरामद किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान हाजो के शांतिबाड़ी इलाके से 27 मवेशी समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार पशु तस्कर सभी मवेशियों को ट्रक के जरिए मेघालय के पशु बाजार तक ले जा रहे थे। गिरफ्तार पशु तस्कर की पहचान कोहिनूर अली के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार पशु तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद असम से मेघालय होते हुए बांग्लादेश तक पशुओं की तस्करी जारी है।

### छत्तीसगढ़ में खुलेंगे चार नए उप पंजीयक कार्यालय

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में आम नागरिकों को रजिस्ट्री एवं पंजीयन से जुड़ी सेवाएं सहज, सुलभ और समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रजिस्ट्रीकरण अधिनियमझ1908 के प्रावधानों के तहत भखारा (जिला धमतरी), लवन (तहसील मुख्यालय, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा), सकरी एवं राजकिशोर नगर (बिलासपुर) में चार नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धमतरी जिला के भखारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने हेतु प्रशासकीय स्वीकृत दी गई है। इसी प्रकार जिला पंजीयक बलौदाबाजार-भाटापारा के अंतर्गत तहसील मुख्यालय लवन और बिलासपुर जिले के राजकिशोर नगर एवं सकरी में उप पंजीयक कार्यालय खोलने प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किया गया है। इन नए उप पंजीयक कार्यालयों के खुलने से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को रजिस्ट्री कार्य के लिए दूरस्थ जिला मुख्यालयों तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और धन की बचत होगी, भीड़ कम होगी तथा पंजीयन प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी बनेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और प्रशासनिक कार्यों में गति आने की भी संभावना है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि, राज्य सरकार का उद्देश्य है कि शासन की सेवाएं आम नागरिकों तक उनके निकटतम स्तर पर उपलब्ध हों। नए उप पंजीयक कार्यालयों की स्वीकृति से लोगों को पंजीयन संबंधी कार्यों में बड़ी राहत मिलेगी। यह निर्णय सुशासन की दिशा में एक और सशक्त कदम है, जिससे नागरिकों का समय बचेगा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी। वित्त एवं वाणिज्य कर पंजीयन मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि, हमारी सरकार नागरिक सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।चार नए उप पंजीयक कार्यालयों की स्वीकृति इसी सोच का परिणाम है। नए उप पंजीयक कार्यालय खुलने से पंजीयन व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों को उनके क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकेंगी, जिससे प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और त्वरित होगी।

# गांजा तस्कर गिरफ्तार, मोटरसाइकिल बैग से 1.10 किलो मादक पदार्थ बरामद

एजेंसी (हि.स.)
बलरामपुर


फोटोः हि.स.

बलरामपुर जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। इसी कड़ी में चौकी बरियों, थाना राजपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी में संलिप्त एक आरोपित को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से 1.10 किलोग्राम गांजा, नगद राशि, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक तराजू और बिना नंबर की मोटरसाइकिल जब्त की है। आरोपित को कार्रवाई उपरांत आज गुरुवार को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

मामले में पुलिस से आज गुरुवार को प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार, 04 फरवरी 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक व्यक्ति बिना नंबर की होंडा शाइन मोटरसाइकिल में गांजा लेकर बरियों, राजपुर और शंकरगढ़ क्षेत्र में बिक्री के लिए आने वाला है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चौकी बरियों, थाना राजपुर, शंकरगढ़ पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित कर घेराबंदी की योजना बनाई गई। घेराबंदी के दौरान ग्राम बधिमा में सादी वर्दी में तैनात पुलिस टीम ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर पूछताछ की। प्रारंभ में आरोपित ने अपना नाम व पता गलत बताया, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना सही नाम उमेश कुमार गुप्ता (उम्र 40 वर्ष) निवासी ग्राम कोटया, थाना प्रतापपुर, जिला सूरजपुर होना स्वीकार किया। तलाशी के दौरान आरोपित के पास मौजूद चेकदार थैले से भूरे रंग के प्लास्टिक पैकेट में पैक 1.10 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 हजार रुपये बताई गई है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की स्लेटी रंग की होंडा शाइन मोटरसाइकिल, आरोपित की निजी नगद राशि 22 हजार रुपये, एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन और एक इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन भी जब्त की गई।

पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध अपराध क्रमांक 27/2026 धारा 20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे आज गुरुवार को न्यायालय में न्यायिक रिमांड हेतु पेश किया है।

## बेंगलुरु मेट्रो टिकट किराया में वृद्धि, 9 फरवरी से होगा लागू

**बेंगलुरु।** मेट्रो में यात्रा करने वाले बेंगलुरुवासियों को अब अधिक रुपये खर्च करने पड़ेंगे।बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने अब मेट्रो टिकट किराए में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह किराया 9 फरवरी से लागू होगा। इस संबंध में बीएमआरसीएल ने अधिसूचना जारी कर दी है। बीएमआरसीएल ने एक वर्ष पहले टिकट किराया बढ़ा चुकी है। दरअसल, किराया निर्धारण समिति ने वर्ष 2025 में प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत टिकट किराया बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसी के तहत दो दिन पहले आयोजित बीएमआरसीएल बोर्ड बैठक में इस विषय पर चर्चा की गई और टिकट किराया बढ़ाने के प्रस्ताव को राज्य सरकार की मंजूरी के लिए भेजा गया। कर्नाटक सरकार ने सोमवार (2 फरवरी) को इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके अनुसार नई टिकट किराया दरें आगामी सोमवार 9 फरवरी से लागू होंगी। टिकट किराए में न्यूनतम 1 रुपये और अधिकतम 5 रुपये तक की वृद्धि की गई है। वर्तमान में 10 रुपये का न्यूनतम टिकट किराया बढ़कर 11 रुपये हो जाएगा, जबकि अधिकतम 90 रुपये का टिकट किराया 95 रुपये तक पहुंच जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष किराया निर्धारण समिति ने 51.55 प्रतिशत टिकट किराया बढ़ाने की सिफारिश की थी।

## शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली


फोटोः हि.स.

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.40 प्रतिशत और निफ्टी 0.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरूआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, जियो फाइनेंशियल, ओएनजीसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और इन्फोसिस के शेयर 1.25 प्रतिशत से लेकर 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टीएमपीवी, श्रीराम फाइनेंस, इंटरग्लोब एविएशन और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर 3.14 प्रतिशत से लेकर 1.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,700 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 798 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,902 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 22 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

## छत्तीसगढ़ के बीजापुर मुठभेड़ में 1 नक्सली ढेर, एके-47 बरामद

एजेंसी (हि.स.)
बीजापुर


फोटोः हि.स.

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जारी मुठभेड़ के बीच अबतक 1 नक्सली का शव एवं एके-47 हथियार मौके से बरामद किया गया है' मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण बस्तर के पेद्दागेलूर जंगल क्षेत्र में डीआरजी और सीआरपीएफ कोबरा के जवान मोर्चा संभाले हुए हैं। फिलहाल, इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार मुठभेड़ में मिला एक पुरूष नक्सली का शव डीव्हीसीएम कैडर का नक्सली कमांडर उधम सिंह का बताया जा रहा है। उधम सिंह लाटून नंबर 30 का कमांडर था, और वह जागूरगुंडा एरिया कमेटी का कमांडर भी है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिण क्षेत्र में सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सर्च अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान सुरक्षाबल और नक्सलियों के बीच आज गुरूवार सुबह 7:30 बजे से रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ मे अब तक 1 नक्सली का शव एवं एके-47 हथियार मौके से बरामद किया गया है ' अभियान पूर्ण होने के पश्चात विस्तृत रिपोर्ट अलग से साझा की जाएगी।

धार्मिक **भगवान बुद्ध के पवित्र 'देवनीमोरी अवशेष' को कोलंबो ले जाया गया**

## श्रीलंका के गंगारामया मंदिर में किया गया अवशेषों को स्थापित

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली


फोटोः हि.स.

भारत-श्रीलंका के बीच सदियों पुराने सभ्यतागत एवं आध्यात्मिक संबंधों को और अधिक प्रगाढ़ करते हुए, भगवान बुद्ध के पवित्र 'देवनीमोरी अवशेष' को प्रदर्शनी के लिए श्रीलंका की राजधानी कोलंबो ले जाया गया है। इन अवशेषों को वहां पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ मंदिर में स्थापित कर दिया गया है। संस्कृति मंत्रालय के अनुसार इन अवशेषों को भारतीय वायु सेना के एक विशेष विमान से कोलंबो ले जाया गया, जहां इनका पूरे राजकीय सम्मान के साथ स्वागत किया गया। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल इन अवशेषों को लेकर बुधवार को श्रीलंका पहुंचा।

कोलंबो के गंगारामया मंदिर में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने बुधवार को इस प्रदर्शनी का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर गंगारामया मंदिर के मुख्य पुजारी, डॉ. किरिंदे असाजी थेरो, वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु और गणमान्य अधिकारी शामिल थे।

इस मौके पर गंगारामया मंदिर में ₹पवित्र पिपरावा का अनावरण₹ तथा ₹समकालीन भारत के पवित्र अवशेष और सांस्कृतिक जुड़ाव₹ शीर्षक से दो प्रदर्शनियों का भी उद्घाटन किया गया। यह प्रदर्शनी भारत के बाहर देवनीमोरी अवशेषों की पहली सार्वजनिक प्रदर्शनी है। इससे पहले, भारत ने श्रीलंका में कपिलवस्तु अवशेषों की प्रदर्शनी 2012 में और सारनाथ अवशेषों की प्रदर्शनी 2018 में आयोजित की थी। 5 फरवरी, 2026 से यह प्रदर्शनी आम जनता और दुनिया भर से आए श्रद्धालुओं के लिए खोल दी गई है। यह आयोजन श्रीलंका के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हो रहा है, जो इसे और भी गौरवशाली बनाता है। यह भारत के बाहर देवनीमोरी अवशेषों की पहली सार्वजनिक प्रदर्शनी है, जो दोनों देशों के बीच अटूट भरोसे का प्रतीक है। यह प्रदर्शनी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अप्रैल 2025 में की गई घोषणा का परिणाम है। प्रधानमंत्री ने बौद्ध संबंधों को बढ़ावा देने के लिए पहले से घोषित 1.50 लाख अमेरिकी डॉलर के अनुदान के अलावा अनुराधापुरा में 'पवित्र नगर परिसर' के विकास के लिए अतिरिक्त सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई थी।

### प्रधानमंत्री मोदी ने जताया आभार

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को कोलंबो स्थित पवित्र गंगारामय मंदिर में भगवान बुद्ध के पवित्र देवनीमोरी अवशेषों की प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलग-अलग पोस्ट में कहा कि अप्रैल 2025 में अपनी श्रीलंका यात्रा के दौरान यह निर्णय लिया गया था कि इन पूजनीय अवशेषों को श्रीलंका लाया जाएगा, ताकि वहां के लोग उन्हें नजदीक से देख सकें और श्रद्धा अर्पित कर सकें। यह कदम भारत और श्रीलंका के बीच गहरे सभ्यतागत और आध्यात्मिक संबंधों का प्रतीक है, जो सदियों से साझा विरासत और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से पोषित होते आए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पवित्र देवनीमोरी अवशेषों का श्रीलंका आगमन दोनों देशों के बीच स्थायी आध्यात्मिक बंधन का प्रमाण है।

# एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के लिए 24 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम घोषित

## राउरकेला चरण 10 से 15 फरवरी तक बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने गुरुवार को एफआईएच पुरुष प्रो लीग 2025-26 के राउरकेला चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय पुरुष हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। टूर्नामेंट का यह चरण 10 से 15 फरवरी 2026 तक ओडिशा के राउरकेला स्थित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा।

राउरकेला चरण में मेजबान भारत के साथ अर्जेंटीना और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने बेहद रोमांचक और उच्च स्तरीय मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है। भारतीय टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा का संतुलित मिश्रण देखने को मिलता है। टीम प्रबंधन ने सभी विभागों—गोलकीपिंग, डिफेंस, मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन—में गहराई और संतुलन बनाए रखने पर खास ध्यान दिया है, ताकि प्रो लीग अभियान की घरेलू शुरूआत मजबूती से की जा सके। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी सूरज कारकेरा और पवन संभालेंगे। डिफेंस की कमान कप्तान हरमनप्रीत सिंह के हाथों में होगी। उनके साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, सुमित, संजय और नीलम संजीप जेस शामिल हैं, जो टीम को रक्षात्मक मजबूती और नेतृत्व प्रदान करेंगे। डिफेंस सूची में अमनदीप लकड़ा का नाम भी शामिल है, जिन्होंने हाल ही में संपन्न पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में शानदार प्रदर्शन किया था और 'हीरो प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए थे। मिडफील्ड में राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, नीलकांत शर्मा और रोसन कुजूर शामिल हैं। यह यूनिट अनुभव, नियंत्रण और रचनात्मकता का बेहतरीन संयोजन पेश करती है। ओडिशा के 21 वर्षीय रोसन कुजूर को पहली बार सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। वह 2025 एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर टीम का हिस्सा थे और हीरो हॉकी इंडिया लीग में वेदांता कलिंगा लांसरस के खिताबी अभियान में भी अहम भूमिका निभा चुके हैं।

फॉरवर्ड लाइन में अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडल और आदित्य अर्जुन ललागे शामिल हैं, जिन पर गोल करने और आक्रामक बढ़त दिलाने की जिम्मेदारी होगी।

टीम की घोषणा पर मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, यह टीम अनुभव और युवा ऊर्जा का शानदार मिश्रण है। रोसन, मनमीत और अमनदीप जैसे युवा खिलाड़ियों के साथ सीनियर खिलाड़ियों की मौजूदगी हमें संतुलन देती है। बेल्जियम और अर्जेंटीना मजबूत टीमें हैं, लेकिन हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है।

फोटोः हि.स.

### भारत की 24 सदस्यीय टीम

**गोलकीपरः** सूरज कारकेरा, पवन।
**डिफेंडर्सः** अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित, संजय, नीलम संजीप जेस, अमनदीप लकड़ा
**मिडफील्डर्सः** राजिंदर सिंह, मनमीत सिंह, विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक सिंह, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, नीलकांत शर्मा, रोसन कुजूर
**फॉरवर्ड्सः** अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, सेल्वम कार्थी, मनदीप सिंह, अराइजित सिंह हुंडल, आदित्य अर्जुन ललागे।

# मैनचेस्टर सिटी काराबाओ कप के फाइनल में, आर्सेनल से होगी खिताबी जंग

एजेंसी (हि.स.)
मैनचेस्टर

फोटोः हि.स.

मैनचेस्टर सिटी ने बुधवार रात काराबाओ कप (लीग कप) के सेमीफाइनल में न्यूकैसल को 3-1 से हराकर कुल 5-1 के एग्रीगेट स्कोर के साथ फाइनल में जगह बना ली। अब फाइनल मुकाबले में प्रीमियर लीग की शीर्ष दो टीमें आर्सेनल और मैनचेस्टर सिटी-22 मार्च को वेम्बली स्टेडियम में आमने-सामने होंगी।

इस मुकाबले में सिटी के फॉरवर्ड ओमर मारमूश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जबकि एक गोल तिजानी रेंडर्स ने किया। पहले लेग में 2-0 की बढ़त लेने वाली सिटी ने घरेलू मैदान एतिहाद स्टेडियम में सेमीफाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। न्यूकैसल की ओर से सांत्वना गोल सब्स्टीट्यूट एंथनी एलांगा ने किया। मारमूश ने मैच के सातवें मिनट में सिटी को बढ़त दिलाई, जब डैन बर्न के टैकल से गेंद उनके शरीर से टकराकर गोल में चली गई। 29वें मिनट में कीरन ट्रिपियर की खराब क्लीयरेंस पर मारमूश ने हेडर से अपना दूसरा गोल किया। इसके तीन मिनट बाद रेंडर्स ने बॉक्स के अंदर से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 3-0 कर दिया। 62वें मिनट में एलांगा ने न्यूकैसल के लिए गोल किया, जिससे स्कोरलाइन थोड़ी सम्मानजनक हो सकी। मैच के बाद मारमूश ने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, हम ट्रॉफी जीतने के लिए खेलते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं ताकि फाइनल तक पहुंचें और सिल्वरवेयर उठा सकें। वहीं सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला ने आर्सेनल की तारीफ करते हुए कहा, आर्सेनल इस समय शायद यूरोप ही नहीं, दुनिया की भी सबसे बेहतरीन टीम है। उनके खिलाफ खेलना हमें और बेहतर बनाएगा। आर्सेनल ने मंगलवार को चेल्सी को 1-0 से हराकर कुल 4-2 के एग्रीगेट के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। प्रीमियर लीग में आर्सेनल फिलहाल छह अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष पर है, जबकि सिटी दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमें चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 और एफए कप के चौथे दौर में भी पहुंच चुकी हैं। यह फाइनल दोनों क्लबों के बीच हालिया प्रतिद्वंद्विता को और धार देगा। सिटी ने 2023 और 2024 में आर्सेनल को पीछे छोड़ते हुए लीग खिताब जीता था। आर्सेनल इस सीजन 2004 के बाद पहली बार लीग ट्रॉफी जीतने की कोशिश में है। काराबाओ कप जीतने पर मिकेल आर्टेटा को 2020 के एफए कप के बाद पहला बड़ा खिताब मिलेगा, वहीं गार्डियोला सिटी के साथ अपनी 16वीं बड़ी ट्रॉफी और पांचवीं लीग कप जीत सकते हैं।

# कोपा इटालियाः इंटर मिलान ने टोरिनो को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी (हि.स.)
मिलान

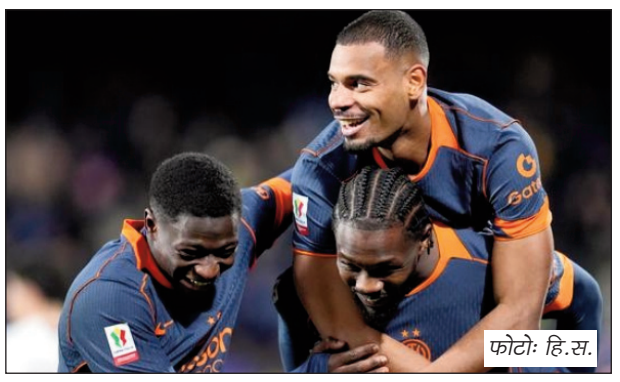
फोटोः हि.स.

इंटर मिलान ने बुधवार रात खेले गए कोपा इटालिया क्वार्टरफाइनल मुकाबले में टोरिनो को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कड़े मुकाबले में फ्रांस के युवा खिलाड़ियों एंजे-योआन बॉनी और एंडी डियूफ ने इंटर की जीत में अहम भूमिका निभाई मैच के 35वें मिनट में सेंटर-फॉरवर्ड एंजे-योआन बॉनी ने ताकतवर एंगल्ड हेडर के जरिए इंटर को बढ़त दिलाई। उनका शॉट सीधे टोरिनो के गोलकीपर अल्बर्टो पालेयारी के हाथों से निकलकर गोल में चला गया।

इसके बाद दूसरे हाफ की शुरूआत में ही इंटर ने बढ़त दोगुनी कर ली। 47वें मिनट में एंडी डियूफ ने मार्कस थुराम के शानदार क्रॉस पर आसान टैप-इन करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। हालांकि टोरिनो ने हार नहीं मानी। मैच के लगभग एक घंटे के करीब क्रोएशियाई स्ट्राइकर सैंड्रो कुलैनोविच ने ऊंची छलांग लगाकर शानदार हेडर से गोल दागा और अपनी टीम को मुकाबले में वापस ला दिया। इसके बाद टोरिनो ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन इंटर की मजबूत और अनुशासित डिफेंस के सामने उन्हें सफलता नहीं मिल सकी।

इंटर मिलान के मुख्य कोच क्रिस्टियन कीवू ने इस मुकाबले में स्टार स्ट्राइकर लाउतारो मार्टिनेज को आराम दिया। यह मैच सैन सिरो स्टेडियम की बजाय मोंजा में खेला गया, क्योंकि सैन सिरो में शुक्रवार को होने वाले विंटर ओलंपिक्स के उद्घाटन समारोह की तैयारियां चल रही हैं। इस जीत के साथ इंटर मिलान कोपा इटालिया सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है।

## एमसीजी करेगा ऐतिहासिक 150वां एनिवर्सरी टेस्ट की मेजबानी, टिकटों की रिकॉर्ड मांग

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में मार्च 2027 में खेले जाने वाले ऐतिहासिक 150वें एनिवर्सरी टेस्ट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाले इस खास मुकाबले के लिए टिकटों की मांग उम्मीद से कहीं ज्यादा रही है। सार्वजनिक टिकट बैलेट इस सप्ताह बंद होने जा रहा है और उससे पहले ही भारी संख्या में आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। यह ऐतिहासिक टेस्ट मैच 11 मार्च 2027 से एमसीजी में खेला जाएगा और खास बात यह है कि यह पिंक बॉल से डे-नाइट टेस्ट होगा। यह मुकाबला क्रिकेट के 150 साल के गौरवशाली इतिहास का जश्न होगा, जिसमें खेल की दुनिया के कई बड़े और प्रतिष्ठित नामों की मौजूदगी तय मानी जा रही है। टिकटों की अत्यधिक मांग को देखते हुए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने इतिहास में पहली बार सार्वजनिक बैलेट सिस्टम अपनाया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार, इस बैलेट के लिए आवेदन की अंतिम तिथि शुक्रवार, 6 फरवरी को शाम 5 बजे (ऑस्ट्रेलिया समय के अनुसार) तय की गई है। बैलेट बंद होने के बाद सभी आवेदनों को रैंडमाइज किया जाएगा और सफल आवेदकों को 20 फरवरी तक सूचित किया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को इस इवेंट के लिए न केवल विक्टोरिया बल्कि अन्य राज्यों और विदेशों से भी बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं। खास तौर पर विदेशों से आए अधिकतर आवेदन यूके से हैं। अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय आवेदनों को विक्टोरिया के निवासियों से अलग श्रेणी में गिना जा रहा है।

# जाग्रेब रैंकिंग सीरीज कुश्तीः अमन सहरावत को रजत, सुजीत कलकल ने जीता स्वर्ण

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

जाग्रेब में जारी रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट में भारत ने शानदार शुरूआत की है। पुरुष फ्रीस्टाइल स्पधाओं के पहले दिन बुधवार को भारत ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम करते हुए अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग सर्किट में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने 61 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत को दिन का पहला बड़ा परिणाम दिलाया। अमन ने शुरूआती दोनों मुकाबलों में दमदार तकनीकी जीत दर्ज की। उन्होंने पहले मुकाबले में जॉर्जिया के जियोर्गी गोनियाशविली को 10-0 से और दूसरे मुकाबले में ईरान के रजा मोमेनिजूजादेह को 12-2 से मात दी। हालांकि तीसरे दौर में अमन को अमेरिका के ऑस्टिन डी-सैंटो के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जहां अमेरिकी पहलवान ने उन्हें 0-8 से फॉल के जरिए पराजित किया।

भारत के लिए दिन का एकमात्र स्वर्ण पदक सुजीत कलकल ने दिलाया। सुजीत ने पुरुषों के 65 किग्रा भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। उनकी इस जीत से भारतीय दल को टूर्नामेंट के शुरूआती दिन ही बड़ा मनोबल मिला और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक भी हासिल हुए। 70 किग्रा भार वर्ग में अभिमन्यु मंडवाल ने कांस्य पदक जीतकर भारत की पदक तालिका को और मजबूत किया। अभिमन्यु ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका के टायलर कासक को 10-0 से हराते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया। हालांकि सेमीफाइनल में उन्हें ईरान के सिना खलीली से 0-10 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने अमेरिका के इयान पार्कर को 6-3 से हराकर पदक पक्का किया। वहीं 86 किग्रा वर्ग में मुकुल दहिया कांस्य पदक से चूक गए। कांस्य पदक मुकाबले में उन्होंने कड़ा संघर्ष किया, लेकिन ईरान के अली सवदकूही से 5-6 के करीबी अंतर से हार गए। कुल मिलाकर जाग्रेब रैंकिंग सीरीज के पहले दिन भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा और आने वाले मुकाबलों में टीम से और बेहतर नतीजों की उम्मीद की जा रही है।



# वेज आमलेट बनाने के लिए नोट करें ये रेसिपी

अंडे का आमलेट तो आपने कई बार खाया होगा, लेकिन क्या कभी आपने वेज आमलेट ट्राई किया है? अगर नहीं, तो यह लेख आपके लिए बेहद खास है। दरअसल, आजकल हेल्दी और वेजिटेरियन फूड की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में वेज आमलेट उन लोगों के लिए बेहतरीन विकल्प है, जो अंडा नहीं खाते लेकिन आमलेट जैसा स्वाद और टेक्सचर चाहते हैं।

ये रेसिपी न सिर्फ स्वादिष्ट होती है, बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद मानी जाती है। वेज आमलेट को बेसन, सब्जियों और हल्के मसालों से तैयार किया जाता है, जो शरीर को प्रोटीन और जरूरी पोषक तत्व प्रदान करता है। ये बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आता है। अगर आप कुछ नया, टेस्टी और हेल्दी ट्राई करना चाहते हैं, तो वेज आमलेट जरूर बनाएं।

### सामान

- बेसन - 1 कप
- बारीक कटा प्याज - 1
- बारीक कटी शिमला मिर्च - 1/2
- टमाटर - 1
- हरी मिर्च - 1
- हरा धनिया - 2 चम्मच
- नमक - स्वाद अनुसार
- लाल मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच
- हल्दी - चुटकी भर
- अजवाइन - 1/4 चम्मच
- पानी - आवश्यकता अनुसार
- तेल - सेकने के लिए

### विधि

वेज आमलेट बनाने के लिए सबसे पहले एक गहरा बाउल लें और उसमें बेसन डालें। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए अच्छी तरह फेंटें ताकि घोल में कोई गांठ न रहे। घोल न ज्यादा पतला हो और न ज्यादा गाढ़ा, बल्कि आमलेट जैसा स्मूद होना चाहिए। अब इस घोल में बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च और हरा धनिया डालें। इसके बाद नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और अजवाइन मिलाएं। सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें ताकि सब्जियां और मसाले बराबर मिल जाएं। इसके बाद एक तवा मध्यम आंच पर गरम करें और उस पर थोड़ा सा तेल डालकर चारों तरफ फैला दें। जब तवा अच्छी तरह गरम हो जाए, तो तैयार घोल को तवे के बीच में डालें और चम्मच से हल्के हाथ से फैलाएं। आमलेट को धीमी आंच पर लगभग 2 से 3 मिनट तक पकने दें। जब नीचे की सतह सुनहरी हो जाए, तब इसे सावधानी से पलटें और दूसरी तरफ भी अच्छे से सेंक लें। दोनों तरफ से पक जाने पर गैस बंद कर दें। गरमागरम वेज आमलेट को हरी चटनी, टमाटर सॉस या ब्रेड के साथ परोसें। यह एक आसान, हेल्दी और स्वादिष्ट नाश्ता है जिसे आप रोजाना भी बना सकते हैं।

# आलू, लौकी और तोरई के छिलके फेंके

# नहीं, इस विधि से बनाएं लजीज स्नैक्स

भारतीय घरों में रखा कोई भी सामान कूड़ा नहीं होता। उससे कुछ ना कुछ नया बनाया जा सकता है लेकिन क्या ये नियम भारतीय रसोई पर भी लागू होता है? जी हां, बिल्कुल लागू होता है। भारतीय रसोई में रोज सब्जियों के छिलके के कूड़ा समझकर फेंक दिया जाता है। आलू, लौकी और तोरई जैसी सब्जियों के छिलकों को हम बेकार समझ लते हैं लेकिन ये स्वाद और पोषण का खजाना होता है। दादी और नानी के जमाने में जीरो वेस्ट किचन जीवन का एक हिस्सा था। आप भी इसे अपनाकर वेस्ट से वंडर यानी छिलकों से लजीज व्यंजन बना सकते हैं। इस लेख में बताया जा कहा है कि कैसे सब्जियों के छिलके से लजीज स्नैक्स बनाए जा सकते हैं। यकीन मानिए इन्हें चखकर कोई अंदाजा भी नहीं लगा पाएगा कि ये छिलको से तैयार की गई रेसिपी है। सब्ज़ियों के छिलके बेहद काम के आलू के छिलके फाइबर और आयरन से भरपूर होते हैं। लौकी और तोरई के छिलकों में एंटीऑक्सीडेंट्स और पाचन के लिए जरूरी तत्व पाए जाते हैं। सही तरह धोकर और पकाकर ये स्वाद के साथ सेहत भी देते हैं।

### कुरकुरे आलू छिलका चिप्स सामग्री

- आलू के छिलके
- नमक स्वादानुसार
- लाल मिर्च पाउडर
- चाट मसाला
- तेल (तलने या एयर फ्राई के लिए)

### विधि

आलू के छिलकों को अच्छी तरह धोकर 10 मिनट नमक वाले पानी में भिगो दें। पानी निकालकर सूखा लें। मसाले मिलाएं। कढ़ाही में मध्यम आंच पर सुनहरा होने तक तलें। अगर चाहें तो एयर फ्रायर में भी बना सकते हैं ये बाहर से कुरकुरे, अंदर से हल्के होते हैं और चाय के साथ परफेक्ट स्नैक बन जाते हैं।

### लौकी के छिलकों के मसालेदार पकौड़े सामग्री

- लौकी के छिलके (बारीक कटे)
- बेसन
- अजवाइन
- हरी मिर्च
- नमक
- तेल

### विधि

छिलकों में बेसन, नमक, अजवाइन और मिर्च मिलाएं। थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा घोल बनाएं। गरम तेल में छोटे-छोटे पकौड़े तलें। बारिश के मौसम में यह स्नैक चाय की शान बढ़ा देता है।

### तोरई छिलका क्रिस्पी कटलेट सामग्री

- तोरई के छिलके
- उबला आलू
- ब्रेड क्रम्ब्स
- अदरक-लहसुन पेस्ट
- नमक, गरम मसाला
- तेल

### विधि

छिलकों को हल्का उबालकर निचोड़ लें। आलू और मसालों के साथ मैश करें। टिक्की बनाकर ब्रेड क्रम्ब्स में लपेटें। तवे पर शैलो फ्राई करें। बाहर से क्रिस्पी, अंदर से मुलायम ये स्नैक्स बच्चों को खास पसंद आएगा।

## वीकेंड पर कुछ खास बनाना है, यहां जानें दाबेली बनाने की आसान विधि

वीकेंड पर अगर कुछ स्वादिष्ट और आसान बनाना चाहती हैं तो दाबेली एक परफेक्ट ऑप्शन है। ये एक स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड है, जो अपने मसालेदार आलू स्टफिंग और मीठी-खट्टी चटनी के लिए मशहूर है। घर पर इसे बनाना न केवल मजेदार होता है, बल्कि परिवार और दोस्तों के साथ इसे शेयर करना भी एक अलग अनुभव देता है। दाबेली में मसालेदार आलू मिश्रण, इमली की चटनी, मूंगफली, और ताजी हरी धनिया का इस्तेमाल होता है, जो इसे हर बाइट में स्वाद का धमाका बना देता है। इसे ब्रेड या छोटे बन्स में भरकर ताजा तैयार किया जाता है और सर्विंग के समय थोड़ी हरी चटनी या हरी मिर्च के साथ परोसा जाता है।

### सामग्री

4-5 मध्यम आकार के उबले आलू
लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर - 1 छोटा चम्मच
चाट मसाला - 1/2 छोटा चम्मच
नमक - स्वाद अनुसार
छोटे पाव - 6-8
मूंगफली - 2 बड़े चम्मच (भुनी हुई)
ताजा हरा धनिया - 2 बड़े चम्मच (कटा हुआ)
सेव - 2 बड़े चम्मच
मीठी चटनी
हरी चटनी

**विधि** सबसे पहले आलू को अच्छी तरह उबाल लें और पूरी तरह मैश कर लें। मैश किए हुए आलू में लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, चाट मसाला और स्वाद अनुसार नमक डालकर अच्छे से मिलाएं। इस मिश्रण को तब तक मिलाएं जब तक मसाले पूरी तरह से आलू में घुल न जाएं। इसके बाद चटनी तैयार करें। मीठी चटनी के लिए इमली का पेस्ट और गुड़ या शक्कर को अच्छी तरह मिलाकर गाढ़ा मिश्रण बनाएं। हरी चटनी बनाने के लिए हरी मिर्च, हरा धनिया, नींबू का रस और नमक को मिक्सी में पीसकर स्मूद पेस्ट तैयार करें। अब ब्रेड बन्स को बीच से हल्का काटें और अंदर मसालेदार आलू भरें। आलू को ब्रेड के अंदर अच्छी तरह सेट करें ताकि भरावन फैल न जाए। उसके ऊपर थोड़ी भुनी हुई मूंगफली, ताजा हरा धनिया और क्रंची सेव डालें। तैयार दाबेली को तुरंत परोसें ताकि ब्रेड नरम रहे और मसाले का स्वाद ताजा रहे। चाहें तो इसे हरी चटनी या मीठी इमली की चटनी के साथ परोसें। दाबेली को स्नैक के रूप में या वीकेंड स्पेशल फूड के तौर पर परिवार और दोस्तों के साथ एन्जॉय किया जा सकता है।

# कृषि को लाभकारी बनाए बिना ग्रामीण समृद्धि संभव नहीं: नायब सिंह सैनी

## हरियाणा में प्राथमिकता क्षेत्र ऋण क्षमता 3.67 लाख करोड़ रुपये, नाबार्ड स्टेट फोकस पेपर किया जारी

**भूपेंद्र शर्मा**
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने नाबार्ड द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय ऋण संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा ने देश की खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बदलते समय के साथ कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सामने कई नई चुनौतियां भी आई है, जिनमें गिरता भूजल स्तर, मिट्टी की सेहत में गिरावट, छोटी जोत आकार, जलवायु परिवर्तन और उत्पादन लागत में वृद्धि प्रमुख हैं। इन चुनौतियों का समाधान परंपरागत तरीकों से नहीं, बल्कि नवाचार, तकनीक और संस्थागत वित्तीय सहयोग से ही संभव है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नाबार्ड द्वारा तैयार किया गया वर्ष 2026-27 का स्टेट फोकस पेपर भी रिलीज किया, जिसमें हरियाणा की प्राथमिकता क्षेत्र ऋण क्षमता 3 लाख 67 हजार करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है, जोकि पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 17 प्रतिशत की वृद्धि को दशार्ती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अनेक समितियां को बेहतर कार्यों के लिए सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि को लाभकारी बनाए बिना ग्रामीण समृद्धि संभव नहीं है। इसलिए हमें 'कम भूमि में अधिक उत्पादन' और 'ढी१ ॐङ्क्षस्त्र-टङ्कशी उ१ङ्कस्त्र' के मंत्र को व्यवहार में उतारना होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के लिए बुनियादी ढांचा भी उतना ही आवश्यक है, जितना की ऋण की सुविधा। इसके साथ–साथ सिंचाई, भंडारण, वेयरहाउसिंग, ग्रामीण सड़कें, बिजली, डिजिटल कनेक्टिविटी, ये सभी विकास की नींव हैं। उन्होंने कहा कि आगामी बजट में स्मार्ट एग्रीकल्चर जोन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके लिए अलग से क्लस्टर बनाए जा रहे हैं। किन्नू , अमरूद, स्ट्रॉबेरी, लीची आदि के क्लस्टर बनाए जा रहे हैं ताकि किसान परंपरागत खेती को छोड़कर नई आधुनिक खेती को अपनाए। किसान गन्ना की खेती अपनाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि मिटटी से मशीन और खेत से बाजार को पुख्ता बनाया जाये ताकि किसान द्वारा उगाई गई फसल को बेहतर बाजार मिल सके और साथ ही बेहतर भाव भी मिल सके।



मुख्यमंत्री ने बैंकों से आग्रह किया कि वे प्रत्येक पात्र किसान तक समयबद्ध, सरल और पारदर्शी तरीके से ऋण सुविधाएं पहुंचाएं ताकि, हमारे अन्नदाता बिचौलियों के चंगुल से मुक्त होकर आत्मनिर्भर बन सकें। इस कार्य में नाबार्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नाबार्ड द्वारा कृषि एवं ग्रामीण इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास में लगातार सहयोग किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में एम.एस.एम.ई., स्वयं सहायता समूह, महिला उद्यमिता और सहकारी संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। हरियाणा में 710 पैक्स कार्यरत हैं। इसके अलावा, सहकारी बैंकों को कम्प्यूटरीकृत किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पैक्स पर किसान को पूरा विश्वास है लेकिन पिछले कुछ समय में पैक्स की कार्यप्रणाली को लेकर किसानों में चिंता है। हमें किसानों के इस विश्वास को पुनः बहाल करना है क्यूंकि ग्रामीण विकास में पैक्स का महत्वपूर्ण रोल है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने के लिए हरियाणा सरकार लगातार अनेक कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल के माध्यम से किसानों द्वारा की जा रही खेती की जानकारी अपलोड करवाई गई। किसानों को मांग के अनुरूप खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। खाद की कालीबाजारी रुकी और लगभग 700 करोड़ रुपये की सब्सिडी की भी बचत हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी ने मिलकर विकसित भारत– 2047 के संकल्प को साकार करना है। इस कार्य में बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी बैंक सुगम ऋण सुविधा उपलब्ध करवाएं, ताकि हमारा किसान आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' का मार्ग 'विकसित हरियाणा' से होकर गुजरेगा। इसमें नाबार्ड, बैंक, राज्य सरकार और सभी हितधारकों के साझे प्रयासों से हम एक ऐसे हरियाणा का निर्माण करेंगे, जहां समृद्धि अंतिम पंक्ति तक पहुंच पाए।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार किसानों, उद्यमियों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों के साथ समन्वित प्रयास कर रही है, ताकि ह्यविकसित हरियाणा झ्र विकसित भारतह्व के लक्ष्य को साकार किया जा सके। उन्होंने कहा कि नाबार्ड द्वारा महिला सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण आधारभूत ढांचे के विकास के लिए ग्रामीण अवसंरचना विकास निधि (फ्क्ष्ठ्नक्र) के अंतर्गत अब तक 18,393 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिसमें से 14,066 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इन निधियों का उपयोग सड़कों, सिंचाई, नवीकरणीय ऊर्जा, अनाज भंडारण, पेयजल, स्वच्छता एवं विद्युत जैसे क्षेत्रों में किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि स्टेट फोकस पेपर 2026-27 में फसल विविधीकरण, जल संरक्षण, माइक्रो इरिगेशन, बागवानी, वैल्यू एडिशन, जलवायु अनुकूल कृषि, किसान उत्पादक संगठनों (ऋड्डड२) को सुदृढ़ करना, ग्रामीण एमएसएमई को बढ़ावा देना, नवीकरणीय ऊर्जा और सामाजिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है ताकि सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को साकार किया जा सके। इस अवसर पर एसीएस अनुराग अग्रवाल, आयुक्त एवं सचिव सी जी रजनीकांथन, कृष्ण शर्मा सहित बैंक प्रतिनिधि, अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

## हरमीत सिंह कालका द्वारा सरना भाइयों की भूमिका पर सवाल

**सिटी दर्पण संवाददाता**
नई दिल्ली

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कई वर्षों से सरना भाइयों द्वारा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पर काबिज रहते हुए जो भूमिका निभाई गई, वह सिख कौम के हितों के बिल्कुल विपरीत रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान कांग्रेस की दलाली, उसके गुंडा तत्वों को संरक्षण देने और सिख कौम को 1984 के दंगों को भुलाने की लगातार कोशिशें की गईं।

सरदार कालका ने कहा कि लगभग चार वर्ष पहले, जब दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की नई संरचना की जा रही थी, उस समय शिरोमणि अकाली दल की ओर से दबाव बनाया गया कि सरना भाइयों के साथ हाथ मिलाया जाए। उन्होंने कहा कि कमेटी की टीम ने पंथक सिद्धांतों पर डटे रहते हुए अपना अलग और स्पष्ट रास्ता चुना।

उन्होंने कहा कि आज ह्यबिल्ली थैले से बाहर आ गई हैह्व और यह पूरी तरह स्पष्ट हो चुका है कि सरदार सुखबीर सिंह बादल की असली मंशा क्या थी। सरना भाइयों को अपने समूह में शामिल करने के पीछे उद्देश्य कांग्रेस के साथ गुप्त गठजोड़ बनाना था। इस साजिश के तहत सरदार हरविंदर सिंह सरना को एक दलाल की भूमिका सौंपी गई, जो अब सबके सामने उजागर हो चुकी है।

सरदार कालका ने आरोप लगाया कि कल सरदार हरविंदर सिंह सरना अपने बेटे के साथ राहुल गांधी से मिलने गए, जिसका मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों के लिए टिकट और राजनीतिक गठजोड़ की समीकरण बनाना था। बाद में इस मुलाकात को दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से जोड़कर भ्रामक बयानबाजी की गई, जो पूरी तरह निराधार है।

उन्होंने कहा कि जो लोग स्वयं को बड़े पंथक नेता बताते रहे हैं, वे आज पंथ के सर्वोच्च स्थान श्री अकाल तख़्त साहिब को नजरअंदाज कर राहुल गांधी के दरबार में जाकर सौदेबाजी कर रहे हैं। यह केवल दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ही नहीं, बल्कि पूरी सिख कौम का अपमान है।

सरदार कालका ने कहा कि जिस पार्टी ने श्री अकाल तख़्त साहिब पर हमला करवाया, हरिमंदर साहिब पर गोलियां और तोपें चलवाईं और दिल्ली में सिख नरसंहार करवाया–आज उसी पार्टी के साथ गठबंधन की बात करना सबसे बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण मिसाल है। उन्होंने कहा कि सरना भाइयों द्वारा अकाली दल को इस रास्ते पर धकेलना शहीदों की कुर्बानियों से गद्दारी के समान है।

## भाजपा का रोष प्रदर्शन, राहुल गांधी का फूंका पुतला

**सिटी दर्पण संवाददाता**
पंचकूला



संसद भवन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा भाजपा सांसद एवं केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को अपशब्द कहे जाने के विरोध में पंचकूला के सैकड़ो भाजपा नेताओ और कार्यकर्ताओ ने पंचकूला सेक्टर 5 के गीता चौक पर राहुल गांधी का पुतला फूंका। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओ ने राहुल गाँधी और कांग्रेस पार्टी मुदार्बाद के नारे लगाए और राहुल गाँधी के इस्तीफे की मांग की। रोष प्रदर्शन में मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार प्रवीण अत्रे, पूर्व नगर महापौर कुलभूषण गोयल, प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सुरेश वर्मा, जिला महामंत्री जय कौशिक, जिला मंत्री अमरिंदर सिंह, जिला मीडिया प्रभारी के. चन्दन, वरिष्ठ नेता श्यामलाल बंसल, पूर्व जिला अध्यक्ष विशाल सेठ, महिला मोर्चा कार्यकारी जिला अध्यक्ष अनुराधा पूरी, मंडल महामंत्री पुष्पा सिंहरोहा, जिला पदाधिकारी पदाधिकारी सुशील सिंगला, संजीव शर्मा, भाजयुमो नेता बिंदर गुर्जर, जिला सचिव संगीता बैंसला सहित पार्टी के तमाम नेता और कार्यकर्ता भारी संख्या में मौजूद रहे।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार प्रवीण अत्रे ने कहा, राहुल गाँधी के गद्दार वाले बयान से सिर्फ भाजपा कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि पंजाब सहित पूरे देश की जनता नाराज और गुस्से में है। प्रदेश उपाध्यक्ष बंतो कटारिया ने राहुल गाँधी और कांग्रेस पार्टी से तत्काल पूरे देश और सिख समाज से सार्वजनिक माफी की मांग की। नगर महापौर कुलभूषण गोयल ने कहा कि राहुल गाँधी के लीडरशिप में कांग्रेस पार्टी निम्न स्तर की राजनीति कर रही है, जो उनकी हताशा और निराशा का परिणाम है। जिला उपाध्यक्ष सुरेश वर्मा ने कहा, राहुल गांधी अपनी बदजुबानी और बड़बोलेपन की वजह से पूरे देश में हंसी के पात्र बन चुके है। गौरतलब है, कल बुधवार को बजट सत्र के दौरान संसद भवन के प्रवेश द्वार पर राहुल गांधी ने कैबिनेट मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहा था, इस बयान के विरोध में भाजपा देश भर में रोष प्रदर्शन कर रही है।

## संक्षिप्त-समाचार

### टैफे के मैसी डायनास्टार कॉन्टेस्ट सीजन 3 का शुभारम्भ

**चंडीगढ़।** मैसी डायनास्टार कॉन्टेस्ट 2026 सबसे बड़े ऑलराउंडर की तलाश के दो सीजन सफलतापूर्वक पूरे होने के बाद टैफे ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने मौलिक रचनात्मकता सहित ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रतियोगिता के तीसरे सीजन की शुरूआत की घोषणा की। टैफे का मैसी डायनास्टार सीजन 3, जो इस श्रृंखला में अब तक की सबसे बड़ी प्रतियोगिता है, इसकी परिकल्पना किसानों, उद्यमियों, छात्रों, स्टार्टअप्स और ग्रामीण परिवर्तनकर्ताओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय नवाचार मंच के रूप में की गई है। कृषि एवं ग्रामीण उद्यमिता में नए आइडियाज को मान्यता देने और पोषित करने के अपने प्रगतिशील विचारों के लिए प्रशंसित - मैसी डायनास्टार कॉन्टेस्ट - किसानों, उद्यमियों, छात्रों, शिक्षाविदों और उन नवोन्मेषकों को एक ऑनलाइन मंच प्रदान करता है जो मैसी फर्ग्यूसन ट्रैक्टरों पर अपने आईडिया का उपयोग करके सार्थक प्रभाव पैदा करने की क्षमता रखते हैं।

### ओप्पो ने दमदार बैटरी और एआई फीचर्स के साथ रेनो15सी लॉन्च किया, रेनो15 सीरीज का हुआ विस्तार

**चंडीगढ़।** ओप्पो इंडिया ने अपनी लोकप्रिय रेनो15 सीरीज का विस्तार करते हुए नया स्मार्टफोन ओप्पो रेनो15सी लॉन्च किया है। यह फोन 5 फरवरी 2026 से फ्लिपकार्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर्स और ओप्पो ई-स्टोर पर बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। रेनो15सी को खास तौर पर कंटेंट क्रिएटर्स और फोटोग्राफी प्रेमियों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इसमें 7000एमएएच की बड़ी बैटरी के साथ 80वाट सुपरवूक फास्ट चार्जिंग दी गई है, जो कम समय में लंबी बैटरी लाइफ प्रदान करती है। कंपनी के मुताबिक, यह फोन 10 मिनट के चार्ज में कई घंटों तक सोशल मीडिया और वीडियो स्ट्रीमिंग का अनुभव देता है। डिजाइन की बात करें तो रेनो15सी स्लिम और हल्का है, जिसकी मोटाई 8.14 मिमी और वजन 195 ग्राम है। इसमें 6.57 इंच का फ्लैट एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो एफएचडी+ रेजोल्यूशन और 1400 निट्स तक का पीक ब्राइटनेस सपोर्ट देता है। यह फोन आफ्टरग्लो पिंक और ट्वाइलाइट ब्लू कलर में उपलब्ध होगा। रेनो15सी के कैमरा सेटअप में 50एमपी का मेन कैमरा, 8एमपी का अल्ट्रा-वाइड, 2एमपी का मैक्रो और 50एमपी का फ्रंट कैमरा दिया गया है। यह 4के एचडीआर वीडियो रिकॉर्डिंग और एडवांस्ड एआई फोटोग्राफी फीचर्स के साथ आता है।

### लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज रणनीतिक भागीदार बना

**चंडीगढ़।** लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में दुनिया के पहले एआई -आधारित, कॉन्टैक्टलेस रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग सिस्टम की सफल इंस्टॉलेशन की घोषणा की है। यह एडवांस्ड सिस्टम नए उद्घाटन किए गए मेडिकल कॉलेज कॉम्प्लेक्स के हिस्से के रूप में एक स्टेप-डाउन आईसीयू वार्ड में लगाया गया है। इस सुविधा का औपचारिक उद्घाटन असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री हिमंत बिस्वा सरमा ने किया, जो राज्य की हेल्थकेयर यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण है और असम को भारत में एआई -सक्षम क्लिनिकल केयर में सबसे आगे रखता है। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ साझेदारी में एडवांस्ड एआई -संचालित क्लिनिकल टेक्नोलॉजी को अपनाने का समर्थन करके, राज्य यह सुनिश्चित कर रहा है कि उसके नागरिकों को अधिक सटीक डायग्नोस्टिक्स, तेज क्लिनिकल मार्गदर्शन और विश्व स्तर पर बेंचमार्क देखभाल मानकों तक पहुंच मिले, जिससे असम भविष्य के लिए तैयार हेल्थकेयर डिलीवरी में एक राष्ट्रीय नेता के रूप में अलग पहचान बना रहा है। इस पर टिप्पणी करते हुए, डॉ. सच्चिदानंद उपाध्याय, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा कि भारत का हेल्थकेयर सिस्टम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है जहां टेक्नोलॉजी को पायलट प्रोजेक्ट से आगे बढ़कर मुख्य क्लिनिकल इंफ्रास्ट्रक्चर बनना होगा। असम सरकार के साथ हमारा सहयोग रिएक्टिव केयर से प्रेडिक्टिव, एआई -आधारित हेल्थकेयर डिलीवरी की ओर बदलाव को दशार्ता है। दुनिया के पहले कॉन्टैक्टलेस, एआई -आधारित रिमोट पेशेंट मॉनिटरिंग सिस्टम को तैनात करके, हम डॉक्टरों को लगातार, वास्तविक समय की जानकारी प्रदान कर रहे हैं जो अधिक सटीक निदान, समय पर हस्तक्षेप और बेहतर रोगी परिणामों का समर्थन करती है। इस मॉडल को अपनाने में असम का नेतृत्व स्केलेबल, भविष्य के लिए तैयार पब्लिक हेल्थकेयर के लिए एक शक्तिशाली राष्ट्रीय बेंचमार्क स्थापित करता है।ह्व यह पहल असम की एडवांस्ड डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए हेल्थकेयर एक्सेस और क्वालिटी को मजबूत करने की बड़ी महत्वाकांक्षा के साथ मेल खाती है, साथ ही यह भारत भर के दूसरे राज्यों, केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों और प्राइवेट हॉस्पिटल नेटवर्क के लिए एक दोहराने लायक ब्लूप्रिंट का भी काम करती है।

### बालाजी दरबार पे भरोसा होना चाहिए



**चंडीगढ़।** समाजसेवियों श्याम सुंदर व अमित कांसल द्वारा आयोजित मंगल मेला बाला चौकी कार्यक्रम में ख्यात भजन गायक कन्हैया मित्तल ने बालाजी अच्छा लागे से व बालाजी दरबार पे भरोसा होना चाहिए आदि एक से बढ़ कर एक भजन गाकर हमेशा की तरह सबको सम्मोहित कर दिया। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल व चण्डीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित हुए। फेज 9 मोहाली में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में विधायक कुलवंत सिंह, वरिष्ठ चण्डीगढ़ भाजपा नेता रामबीर भट्टी, रोहित सिंगला, धर्मपाल, सुरिंदर, राज मित्तल, अक्षित, आयुष व विहान आदि भी उपस्थित रहे।

## ईपीएफओ चंडीगढ़ द्वारा सामाजिक सुरक्षा संहिता नियम, 2020 पर संगोष्ठी का किया आयोजन

**सिटी दर्पण संवाददाता**
चंडीगढ़/मोहाली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), चंडीगढ़ द्वारा श्रम विभाग, पंजाब सरकार के सहयोग से पंजाब राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के लिए कर्मचारी नामांकन अभियान (ईईसी -2025), प्रधानमंत्री-विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) एवं सामाजिक सुरक्षा संहिता (सीओएसएस) नियम, 2020 पर एक संगोष्ठी का आयोजन श्रम भवन, मोहाली में किया गया। संगोष्ठी में पंजाब सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।भारत सरकार के श्रम सचिव द्वारा जारी निदेर्शों के अनुपालन में, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के कर्मचारी नामांकन अभियान (ईईसी -2025) के व्यापक प्रसार हेतु राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि उनके विभागों द्वारा नियोजित ठेकेदारों एवं संविदा कर्मियों को इस अभियान की समुचित जानकारी दी जाए। इस पहल का उद्देश्य पात्र आउटसोर्स एवं संविदा कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना है। ईपीएफओ की ओर से इस कार्यक्रम में रितेश सैनी, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-I, जोनल कार्यालय, चंडीगढ़ तथा श्री दीपक पाल, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-क्क्ष् क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। श्रम विभाग, पंजाब सरकार की तरफ से श्री बलजीत सिंह, उप श्रम आयुक्त, अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ उपस्थित रहे। संगोष्ठी में पंजाब सरकार के विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व करते हुए कुल 62 अधिकारियों ने भाग लिया।संगोष्ठी के दौरान श्री दीपक पाल, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-II ने कर्मचारी नामांकन अभियान (ईईसी -2025) पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि यह अभियान पहले से अपंजीकृत पात्र कर्मचारियों, विशेषकर आउटसोर्स एवं संविदा कर्मियों को, सुविधा-आधारित एवं स्वैच्छिक अनुपालन दृष्टिकोण के माध्यम से कर्मचारी भविष्य निधि के अंतर्गत लाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है। प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री-विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) की प्रमुख विशेषताओं से भी अवगत कराया गया। इसके अतिरिक्त, सामाजिक सुरक्षा संहिता (सीओएसएस) नियम, 2020 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई, जिसमें नियोक्ताओं की वैधानिक जिम्मेदारियों तथा ठेकेदारों के माध्यम से नियोजित पात्र कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा लाभ सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। संगोष्ठी का समापन एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने संविदा कर्मियों के कवरेज, अनुपालन आवश्यकताओं तथा सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित व्यावहारिक एवं प्रकरण-आधारित प्रश्नों पर चर्चा की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

## रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं: गोयल



पंचकूला। सेक्टर-11 मेन मार्केट में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्माइल फाराएवर, श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट पंचकूला, ब्लड बैंक पीजीआई चंडीगढ़ तथा महामाई मनसा देवी चैरिटेबल भंडारा कमेटी के संयुक्त सहयोग से लगाया गया। शिविर का पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल ने किया। कुलभूषण गोयल ने युवाओं से रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति का यह इंसानी, नैतिक और सामाजिक दायित्व है कि वह समय-समय पर रक्तदान करे, क्योंकि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और यह कई जिंदगियां बचाने में सहायक होता है। श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट पंचकूला के प्रधान राकेश संगर ने कहा कि अपने पूर्वजों को स्मरण करने के लिए रक्तदान से बड़ा कोई कार्य नहीं हो सकता। रक्तदान न केवल जीवनदायी है बल्कि समाज के प्रति हमारी संवेदनशीलता को भी दशार्ता है। श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट एवं निफा चंडीगढ़ के डायरेक्टर रमेश नारंग और प्रधान राकेश कुमार संगर ने बताया कि सर्दी के मौसम में अस्पतालों में रक्त एवं रक्त कॉम्पोनेंट्स की कमी को देखते हुए इस शिविर का आयोजन किया गया, ताकि जरूरतमंद मरीजों की सहायता की जा सके, जिनकी जिंदगी रक्त की कमी के कारण संकट में पड़ जाती है। लगभग 70 युवाओं ने रक्तदान किया। स्माइल फाराएवर के प्रधान अजय गुप्ता ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर श्री शिव कांवड़ महासंघ चैरिटेबल ट्रस्ट एवं निफा चंडीगढ़ से एच.एल. सिंगला, एन.एन. पुरी, दिनेश कुमार, रमेश नारंग सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

**अपनी तरह की यह पहली लैब देश भर में लैब विकसित करने की संभावनाएं तलाशेगी**

## पीजीआई को तंबाकू टेस्टिंग लैब के लिए ग्लोबल फर्स्ट जीएलपी सर्टिफिकेट कोर्स के लिए सराहा गया

**सिटी दर्पण संवाददाता**
चंडीगढ़

चंडीगढ़ के पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च में स्थापित साइंटिफिक सपोर्ट ग्रुप को भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने भारत में नेशनल टोबैको टेस्टिंग लैबोरेटरीज को मजबूत करने के लिए गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिस पर सर्टिफिकेट कोर्स विकसित करने और महत्वपूर्ण योगदान के लिए सराहा।

तंबाकू टेस्टिंग लैबोरेटरीज के लिए गुड लेबोरेटरी प्रैक्टिस पर यह इनोवेटिव, 'ग्लोबल फर्स्ट' सर्टिफिकेट कोर्स यह सुनिश्चित करने के लिए एक बुनियादी कदम है कि भारत की तंबाकू टेस्टिंग लैबोरेटरीज उच्चतम मानकों पर काम करें, जो पॉलिसी बनाने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए विश्वसनीय डेटा प्रदान करें,₹ डॉ. अविनाश सुंथलिया, डिप्टी एडिशनल डायरेक्टर जनरल, नेशनल टोबैको कंट्रोल प्रोग्राम, MOHFW, GOI ने 29 जनवरी 2026 को AIIMS रायबरेली में आयोजित तंबाकू या स्वास्थ्य पर 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन के मौके पर ऑन-साइट कंसल्टेटिव मीटिंग के दौरान कहा। डॉ. सुंथलिया ने कहा कि यह सर्टिफिकेट कोर्स NTTLs में काम करने वाले लेबोरेटरी कर्मियों को मजबूत तंबाकू उत्पाद परीक्षण और विश्लेषण के लिए आवश्यक तकनीकी दक्षताओं से लैस करेगा।



डॉ. सोनू गोयल, संयोजक और PGIMER के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ में प्रोफेसर, ने तंबाकू उत्पादों में खतरनाक घटकों को विनियमित करने और राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को सूचित करने के लिए देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से ररऋ द्वारा विकसित एक अच्छे लेबोरेटरी प्रैक्टिस मैनुअल के महत्व पर जोर दिया। अपनी तरह की यह पहली जमीनी पहल, मौजूदा चार नेशनल टोबैको टेस्टिंग लैबोरेटरीज की विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं को बढ़ाने और देश भर में अन्य संभावित लैब में क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखती है। प्रो. गोयल ने कहा कि यह पहल भारत में तंबाकू उत्पाद सामग्री और खुलासे के विनियमन को सूचित करने और मजबूत करने के लिए उच्च-गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक प्रमाण उत्पन्न करने के व्यापक उद्देश्य के अनुरूप है।

विस्तृत विशेषज्ञ चचाओं के माध्यम से विकसित पाठ्यक्रम, व्यावहारिक प्रयोज्यता सुनिश्चित करने के लिए समूह चर्चा, केस स्टडी और समस्या-समाधान अभ्यासों सहित सक्रिय शिक्षण पद्धतियों को एकीकृत करता है। इस सलाह-मशविरे वाली मीटिंग में अलग-अलग तरह के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिनमें रिसर्चर, शिक्षाविद, पॉलिसी बनाने वाले, विषय विशेषज्ञ, मुख्य स्टेकहोल्डर और MoHFW, वाइटल स्ट्रैटेजीज, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, पुडुचेरी, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज, बेंगलुरु, ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया जैसे जाने-माने संस्थानों के प्रोफेशनल और भारत की प्रमुख मान्यता प्राप्त लैबोरेटरी के वैज्ञानिक प्रतिनिधि शामिल थे।

### पीजीआईएमईआर टीम ने लू और उससे होने वाली मौतों पर जमीनी रिसर्च की

चंडीगढ़। डॉ. रविंद्र खैवाल, प्रोफेसर, कम्युनिटी मेडिसिन विभाग और स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च और पंजाब यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में एक टीम द्वारा किए गए एक नए अध्ययन ने चंडीगढ़ में अत्यधिक तापमान की घटनाओं और बढ़ी हुई मृत्यु दर के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध स्थापित किया है। यह रिसर्च एक विशिष्ट तापमान सीमा की पहचान करती है जिसके आगे मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है, जो लक्षित सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों की तत्काल आवश्यकता पर जोर देता है। चंडीगढ़, भारत में अत्यधिक तापमान की घटनाओं और सभी कारणों से होने वाली अतिरिक्त मृत्यु दर के साथ उनके संबंधऱ शीर्षक वाला यह अध्ययन, जो नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुआ है, ने छह साल (2010-2015) के दैनिक मृत्यु दर डेटा के साथ मौसम संबंधी रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। ओवर-डिस्पर्सड पॉइसन जनरलाइज्ड एडिटिव मॉडल का उपयोग करते हुए। रिसर्च टीम में प्राची चौहान, संजीव भारद्वाज, अभिषेक कुमार और डॉ. सुमन मोर शामिल थे, जिसका नेतृत्व डॉ. खैवाल ने किया था, और उन्होंने 33.8°C की एक महत्वपूर्ण अधिकतम तापमान सीमा की पहचान की। इस बिंदु से आगे, चंडीगढ़ में दैनिक सभी कारणों से होने वाली मृत्यु दर में काफी वृद्धि होती है। डॉ. खैवाल ने कहा, हमारे नतीजे बताते हैं कि हीटवेव की स्थिति में सभी कारणों से होने वाली मौतों में काफी बढ़ोतरी होती है, जिसका असर साफ तौर पर देखा जा सकता है। जब तापमान इस सीमा से ज्यादा होता है, तो मृत्यु दर लगभग 4.1% बढ़ जाती है। यह स्टडी इस क्षेत्र में यह बताती है कि कौन से आबादी समूह बहुत ज्यादा गर्मी के प्रति सबसे ज्यादा संवेदनशील हैं।